प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक

यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-3 | अंक-353 | मथुरा, सोमवार, 16 फरवरी 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जिंदा है आदमी ! लेकिन नाम के आगे लिखता है स्वर्गवासी

वृंदावन में स्वर्गवासी लगाने वाले गृहस्थ संन्यासी निखिलेश अपने भक्तों के साथ।

दो साल में 15 हजार किलोमीटर साइकिलिंग का रिकॉर्ड

रोज 40–50 किमी पैडल मारकर देते हैं फिटनेस का संदेश

अध्यात्म से बदली जिंदगी, कर्म को ही माना स्वर्ग–नरक का आधार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिंदा है यह आदमी! लेकिन नाम के आगे लिखता है स्वर्गवासी, गजब है निखिलेश की कहानी। करीब 50 साल के स्वर्गवासी निखिलेश आगरा के टीडीआई मॉल रोड के पास रहते हैं। लोगों को सड़क सुरक्षा से जुड़े हुए मुद्दों पर जागरूक करते हैं। हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित करते हैं। अब तक स्वर्गवासी निखिलेश दो साल के अंदर 15 हजार किलो मीटर तक साइकिल चला चुके हैं। हर रोज 40 से 50 किलोमीटर साइकलिंग करते हैं और लोगों को फिट रहने का मंत्र भी देते हैं। जब टीम ने स्वर्गवासी निखिलेश से उनके नाम के आगे स्वर्गवासी लिखने का कारण पूछा तो उन्होंने बताया कि जब वह आध्यात्मिकता से जुड़े तब उनकी जिंदगी में बदलाव आया। आध्यात्मिक से जुड़कर उन्हें महसूस हुआ कि स्वर्ग और नरक सब इंसान के कर्मों के आधार पर तय होता है। स्वर्ग और नरक यहीं इसी धरती पर है। इसलिए उन्होंने अपने कामों को आधार बनाते हुए अपने नाम के आगे स्वर्गवासी टाइटल लगा लिया। वह हमेशा खुश रहते हैं। जब भी कोई उनका पहली बार नाम सुनता है तो वह चौंक जाता है, और उनकी कहानी जानने की इच्छा प्रकट करता है। धीरे–धीरे अब स्वर्गवासी निखिलेश आगरा में काफी फेमस हो गए।

गृहस्थ संन्यासी निखिलेश ने भक्तों के साथ लगाई परिक्रमा

यूनिक समय, वृंदावन। पत्नी, दो बेटी और एक बेटा होते हुए गृहस्थ संन्यासी जीवन जीते हुए अपने नाम के आगे स्वर्गवासी लगाने वाले गृहस्थ संन्यासी निखिलेश आज योगीराज श्रीकृष्ण की क्रीड़ा स्थली आए। उन्होंने अपने भक्तों के साथ हरेकृष्णा–हरेरामा महामंत्र का जाप करते परिक्रमा लगाई। परिक्रमा प्रारंभ करने से पहले कैलाश नगर आवासीय कॉलोनी के गेट के सामने स्थित शनि देव मंदिर पर धर्मेंद्र मंगल बंटी, ज्योति अग्रवाल, मानवी एवं आदित्य ने गृहस्थ संन्यासी निखिलेश का दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत कर आशीर्वाद लिया।

गृहस्थ संन्यासी निखिलेश के साथ गांव लादूखेड़ा (आगरा) से राम भाई, कैलाश चंद, केके त्यागी, भगवती प्रसाद मित्तल, नवल सिंह, आर्यन, आकाश मित्तल, दिलीप गर्ग, श्रीभगवान, श्रीकांत, प्रेम सिंह, पवन गोयल, रघुवंश काका, महेश त्यागी, मेवाराम, बंटी सेन और चिराग आदि शामिल थे।

ग्राम पंचायत ककरारी में गबन का मामला

डीएम के आदेश के बाद भी नहीं हुई वसूली

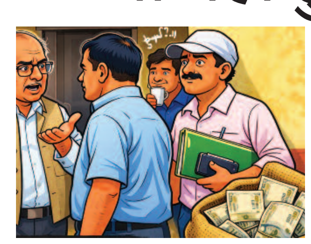

नोटिस तक नहीं पहुंचा, विभागीय लापरवाही पर गहराए सवाल

यूनिक समय, मथुरा। विकास खंड राया की ग्राम पंचायत ककरारी में सामने आए वित्तीय अनियमितता के मामले ने अब प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। जिला अधिकारी ने 05 दिसंबर 25 को जारी स्पष्ट आदेश में संबंधित ग्राम पंचायत सचिव से 2,70,253.50 रुपये की धनराशि राज्य वित्त खाते में जमा कराने के निर्देश दिए गए थे। यह राशि 4,50,507 रुपये की सिद्ध गबन धनराशि का हिस्सा बताई गई थी, जो जांच के दौरान प्रमाणित हुई थी। जांच में वित्तीय अभिलेखों और व्यय विवरण की समीक्षा के बाद अनियमितता पाए जाने पर उत्तर प्रदेश पंचायत राज अधिनियम की धारा 27 के अंतर्गत कार्रवाई का आदेश पारित किया गया था। आदेश की प्रतिलिपि संबंधित अधिकारियों को भेजी गई, ताकि समयबद्ध वसूली सुनिश्चित की जा सके। हालांकि, आदेश जारी होने के कई सप्ताह बाद भी न तो धनराशि की वसूली हो सकी है और न ही दोषी सचिव द्वारा रकम जमा कराए जाने की पुष्टि हो पाई है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, संबंधित सचिव को अब तक आधिकारिक नोटिस भी प्राप्त नहीं हुआ है। यदि यह तथ्य सही है तो यह प्रशासनिक तंत्र की गंभीर शिथिलता को दर्शाता है।

स्थानीय ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों का कहना है कि जब जिला अधिकारी के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद कार्रवाई धरातल पर नहीं दिखती, तो इससे व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर अविश्वास पैदा होता है। सरकारी धन की वसूली में देरी न केवल वित्तीय अनुशासन को कमजोर करती है, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही की व्यवस्था को भी प्रभावित करती है। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी सतेन्द्र सिंह ने स्पष्ट उत्तर देने से परहेज किया। उन्होंने इतना ही कहा कि "प्रकरण की जानकारी देखी जा रही है," लेकिन यह नहीं बताया कि वसूली कब तक सुनिश्चित की जाएगी और नोटिस की तामील क्यों नहीं हो पाई।

पुलिस ने महिला से लूट करने वाला लुटेरा दबोचा

यूनिक समय, फरह (मथुरा)। फरह पुलिस व स्वाट टीम ने महिला के कुण्डल छीनने का प्रयास करने वाले मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त को मय एक अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार किया। है। गौरतलब है कि 15 फरवरी को महिला राजेश्वरी के कानों से झुमकी (कुण्डल) छीनने का प्रयास करने वाले मोटरसाइकिल सवार अभियुक्त रवि पुत्र बाबूलाल निवासी पोहपा बुर्ज भदाया थाना फरह जनपद मथुरा को ग्राम चुरमुरा में सरसों के खेत चौकी क्षेत्र रैपुराजाट थाना फरह से मय एक अवैध तमंचे 315 बोर के गिरफ्तार किया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक छोटेलाल, कस्बा पुलिस चौकी प्रभारी अजय सिंह मलिक, दीनदयाल धाम पुलिस चौकी प्रभारी आनन्द शर्मा, स्वाट टीम प्रभारी अजय वर्मा आदि शामिल थे।

बदलाव | सीबीएसई का सख्त फैसला, पहली बोर्ड परीक्षा अनिवार्य

पहली परीक्षा से चूके तो दूसरी में नहीं मिलेगा अवसर

तीन विषयों में अनुपस्थित हुए तो दोहराना होगा पूरा साल

इम्प्रूवमेंट और कम्पार्टमेंट को मिला मौका, लेकिन शर्तें कड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सीबीएसई ने कक्षा 10वीं की दोहरी बोर्ड परीक्षा प्रणाली को लेकर बड़ा और स्पष्ट निर्णय जारी किया है। बोर्ड की नई गाइडलाइन के मुताबिक अब पहली बोर्ड परीक्षा में शामिल होना सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगा। यदि कोई छात्र पहली परीक्षा के दौरान कम से कम तीन मुख्य विषयों में उपस्थित नहीं होता है, तो उसे सीधे "अनिवार्य पुनरावृत्ति" श्रेणी में रखा जाएगा। इसका मतलब है कि ऐसा छात्र उसी शैक्षणिक वर्ष में आयोजित दूसरी बोर्ड परीक्षा में बैठने के योग्य नहीं होगा और उसे अगले वर्ष फरवरी में होने वाली मुख्य परीक्षा का इंतजार करना पड़ेगा। सीबीएसई ने परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पात्रता नियमों को स्पष्ट कर दिया है। नई नीति के तहत पहली बोर्ड परीक्षा में अनुपस्थित रहना गंभीर माना जाएगा। यदि कोई विद्यार्थी तीन या अधिक मुख्य विषयों की परीक्षा नहीं देता है, तो उसे 'एसेंशियल रिपीट' की श्रेणी में डाल दिया जाएगा, जिससे उसका पूरा शैक्षणिक वर्ष प्रभावित हो सकता है। हालांकि, जो छात्र पहली परीक्षा में सफल हो जाते हैं, उन्हें अपने अंकों में सुधार का अवसर मिलेगा। वे विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में इम्प्रूवमेंट परीक्षा दे सकेंगे। इसके अलावा, जिन छात्रों का परिणाम 'कम्पार्टमेंट' आता है, उन्हें दूसरी परीक्षा में बैठकर अपना साल बचाने का मौका दिया जाएगा। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि कक्षा 10वीं पास करने के बाद छात्र किसी अतिरिक्त या स्टैंड–अलोन विषय को नहीं चुन सकेंगे। यानी अब विषय चयन और परीक्षा सहभागिता को लेकर नियम पहले से अधिक सख्त कर दिए गए हैं। सीबीएसई की आधिकारिक सूची के अनुसार दूसरी परीक्षा में वे छात्र शामिल हो सकेंगे जो अधिकतम तीन मुख्य विषयों में अपने अंक सुधारना चाहते हैं। कम्पार्टमेंट श्रेणी के छात्र चाहे वह उनका पहला प्रयास हो या तीसरा भी इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। बोर्ड ने कम्पार्टमेंट और इम्प्रूवमेंट दोनों विकल्प एक साथ चुनने की सुविधा भी दी है। इसके अतिरिक्त, वे छात्र जिन्होंने विषय परिवर्तन के माध्यम से परीक्षा पास की है और अब अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहते हैं, उन्हें भी अवसर मिलेगा। छात्र और अभिभावक इस नई नीति की पूरी जानकारी के लिए सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर नोटिस डाउनलोड कर सकते हैं। बोर्ड ने साफ कहा है कि मुख्य परीक्षा से चूकने पर किसी भी प्रकार की विशेष छूट नहीं दी जाएगी।

ऐसे में छात्रों के लिए पहली बोर्ड परीक्षा को गंभीरता से लेना बेहद जरूरी हो गया है। नई नीति से स्पष्ट है कि सीबीएसई अब परीक्षा प्रणाली में अनुशासन और जवाबदेही को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

पुराना मोबाइल फोन बना सोने की खान...

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। रोजाना सुबह–सुबह कबाड़ा खरीदने वाले आवाज लगाते सुने जाते हैं पुराना मोबाइल बेचो। पुराना मोबाइल बेचो। इस आवाज को सुनकर अनेक लोगों का माथा ठनकता है। आखिर कबाड़ी पुराना मोबाइल क्यों खरीद रहा है। मन में कई तरह के सवाल भी खड़े होते हैं। आखिरकार कबाड़िया पुराने मोबाइल का क्या करेगा। लेकिन सोशल मीडिया पर चल रही एक खबर की मानें तो उसमें पहले लाइन में लिखा है। क्या आप जानते हैं कि आपके घर के किसी कोने में पड़ा 'बेकार' पुराना मोबाइल फोन, असल में एक चलती–फिरती 'सोने की खान' है? दुनिया जिसे 'डेड बैटरी' समझकर कचरे के डिब्बे में फेंक देती है, आज उसी कचरे के लिए बड़ी–बड़ी कंपनियों के बीच जंग छिड़ी हुई है। असल में, इन पुरानी बैटरियों के अंदर एक ऐसी चीज़ छिपी है जिसे आज की दुनिया 'सफ़ेद सोना' यानी लिथियम कहती है। लिथियम, कोबाल्ट और निकल–ये वो कीमती धातुएं हैं जिनके बिना ना तो आपका स्मार्टफोन चल सकता है और ना ही आज की सबसे आधुनिक इलेक्ट्रिक कारें। आजकल 'अर्बन माइनिंग' करने वाले लोग जमीन खोदने के बजाय, 'ई–वेस्ट' यानी पुराने इलेक्ट्रॉनिक कबाड़ को रिसाइकिल कर रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि चंद पुरानी बैटरियों से उतना लिथियम निकाला जा सकता है, जितना शायद हजारों किलो मिट्टी खोदने के बाद भी ना मिले। लेकिन ध्यान रहे! यह काम घर पर करने की गलती कभी मत करना। बैटरियों के अंदर मौजूद केमिकल्स बेहद खतरनाक होते हैं और इनमें ब्लास्ट भी हो सकता है। इन्हें सिर्फ एक्सपर्ट्स ही मशीनों और लैब में प्रोसेस करते हैं। आखिर यह कहा गया है कि यह सिर्फ एक खबर नहीं, बल्कि आज की हकीकत है। जिसे हम 'कबाड़' समझकर फेंक देते हैं, वही आने वाले वक्त का सबसे बड़ा खजाना है। यह हमें सिखाता है कि दुनिया में कोई भी चीज़ 'बेकार' नहीं होती–बस उसे देखने के लिए एक 'पारखी नजर' और सही समझ की जरूरत होती है।

डीआईजी ने मथुरा में किया वार्षिक निरीक्षण

सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की समस्याएं सुनीं

मथुरा में डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए।

पुलिस विभाग सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को कभी नहीं भूल सकता

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। आगरा रेंज के डीआईजी शैलेश कुमार पांडेय ने मथुरा के वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम के तहत बैठक की। उन्होंने मथुरा में निवास कर रहे पुलिस विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ संवाद किया तथा उनकी व्यक्तिगत और सेवा संबंधी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने पेंशन, चिकित्सा सुविधा, लंबित देयकों और अन्य प्रशासनिक विषयों से जुड़ी अपनी समस्याएं डीआईजी के समक्ष रखीं। उन्होंने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मामलों का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। डीआईजी ने कहा कि पुलिस विभाग अपने सेवानिवृत्त कर्मियों के योगदान को कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूर्व कर्मचारियों की समस्याओं को मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए और अनावश्यक देरी न हो। बैठक में विभागीय कार्यप्रणाली, कल्याणकारी योजनाओं और सेवा निवृत्त कर्मियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं पर भी चर्चा की गई। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों ने अपनी बात रखने का अवसर मिलने पर संतोष व्यक्त किया। वार्षिक निरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत डीआईजी ने विभागीय व्यवस्थाओं की समीक्षा भी की और आवश्यक सुधार संबंधी दिशा–निर्देश जारी किए।

बिजली चोरी के आरोप पर अधिवक्ता का नोटिस

5.50 लाख रुपये हर्जाने की मांग

यूनिक समय, मथुरा। बिजली चोरी के एक कथित प्रकरण को लेकर नया मोड़ सामने आया है। अधिवक्ता चैतन्य देवेंद्र पाल सिंह ने दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता को नोटिस भेजकर आरोप लगाया गया है कि उनके मुवक्किल के खिलाफ गलत तरीके से विद्युत चोरी की रिपोर्ट दर्ज कर आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न किया गया है। नोटिस में विभागीय कार्रवाई को गैरकानूनी बताते हुए 5 लाख 50 हजार 700 रुपये के हर्जाने की मांग की गई है। नोटिस के अनुसार, अधिवक्ता के मुवक्किल नियमित विद्युत उपभोक्ता हैं। उन्होंने विधिवत घरेलू कनेक्शन लिया हुआ है।

आरोप है कि विभाग के जांच दल ने बिना पर्याप्त साक्ष्य के विद्युत चोरी का मामला दर्ज कर दिया। साथ ही यह भी कहा गया है कि जांच की वीडियो रिकॉर्डिंग रिपोर्ट के साथ संलग्न नहीं की गई, जबकि नियमों के अनुसार साक्ष्य प्रस्तुत करना आवश्यक है। विधिक नोटिस में उल्लेख किया गया है कि विभाग द्वारा 17 अक्टूबर 2023 को एक नोटिस जारी कर लगभग 54 हजार 265 रुपये का आकलन बिल भेजा गया, जिसमें मीटर और अन्य शुल्क जोड़कर भुगतान के लिए 15 दिन का समय दिया गया था। अधिवक्ता का दावा है कि यह आकलन मनमाना और तथ्यहीन है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस कार्रवाई से उनके मुवक्किल की सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ा।

नोटिस में कहा गया है कि यदि 15 दिन के भीतर कथित फर्जी रिपोर्ट निरस्त कर हर्जाने की राशि का भुगतान नहीं किया गया तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में वाद दायर किया जाएगा। साथ ही आगे होने वाले सभी खर्च और जिम्मेदारी विभाग पर ही डाली जाएगी। इस मामले को लेकर विद्युत विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

प्रीमियर लॉ बैडमिंटन लीग सीजन 2 में कोर्टरूम स्मैशर्स ने जीता खिताब

विजयी टीम के खिलाड़ी।

खेल संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। नई दिल्ली में आयोजित प्रीमियर लॉ बैडमिंटन लीग सीजन 2 का समापन हो गया। विधि एवं न्याय मंत्रालय के समर्थन से आयोजित इस प्रतियोगिता ने देशभर के कानूनी समुदाय को खेल के माध्यम से एक मंच पर जोड़ा। दो दिवसीय इस आयोजन में प्रतिस्पर्धा के साथ एकता और फिटनेस का संदेश भी प्रमुख रहा। समापन पर केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और उद्योगपति नवीन जिंदल मुख्य अतिथि थे। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए पेशेवर जीवन के साथ स्वास्थ्य और टीम भावना को भी महत्व देने की बात कही। इस सीजन में आठ टीमों ने भाग लिया, जिनके स्वामी कानूनी क्षेत्र के प्रतिष्ठित सदस्य हैं। बेंच ब्रेकर्स के स्वामी तुषार मेहता, लॉ शटलर्स के विकास सिंह, कोर्टरूम स्मैशर्स के वरिष्ठ अधिवक्ता सार्थक चतुर्वेदी, बैडमिंटन बैरिस्टर्स के प्रभु टंडन, नेट नोटिस के विवेक सूद, लीगल ऐसेस के मनोज कुमार सिंह, लिटिगेशन लीजेंड्स के पीयूष भाटिया तथा वर्डिक्ट स्क्वाड की स्वामी संजंती पूवैया रहे। फाइनल मुकाबला कोर्टरूम स्मैशर्स और नेट नोटिस के बीच बेहद रोमांचक रहा। कड़े संघर्ष के बाद सार्थक चतुर्वेदी की टीम कोर्टरूम स्मैशर्स ने खिताब अपने नाम किया। चैंपियन टीम के खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। संचालन डेका इवेंट्स की संस्थापक अबंतिका डेका के नेतृत्व में किया गया। लीग का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें खेल भावना, पेशेवर एकता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का उत्सव मनाया गया।

बांके बिहारी महाराज का श्रृंगार अर्धनारीशवर स्वरूप में

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी महाराज का अलग अंदाज में मनभावन श्रृंगार हो रहा है। कल ठाकुर बांके बिहारी महाराज की झांकी सेठ सावलियां के स्वरूप में सजाई तो आज सुबह अर्धनारीश्वर स्वरूप में श्रृंगार दर्शन कर श्रद्धालु अलग ही अनुभूति महसूस करने लगे।

सोमवार की सुबह के ठाकुर बांके बिहारी महाराज के दिव्य अर्धनारीशवर स्वरूप में श्रृंगार दर्शन।

अबकी बारी... कुल्हाड़ी, गन और टैंक वाली पिचकारी

होली को लेकर बाजार में पिचकारी की बढ़ी मांग

होली पर रंग से आंखों को बचाने के लिए बाजार में मुखौटा।

बाजार में बिकने के लिए आई पिचकारियां।

प्रमुख संवाददाता
यूनिक समय, मथुरा। हालांकि होली चार मार्च को मनाई जाएगी। रंगों के इस पर्व को लेकर शहर के बाजार अभी से गुलजार हो उठे हैं। इस बार कुल्हाड़ी, हथौड़ी, त्रिशूल और टैंक जैसे डिजाइन वाली पिचकारियों की मांग है। थोक से लेकर फुटकर बाजार तक कारोबार तेज हो गया है। होली आने में अब करीब बीस दिन बचे हैं। शहर के विभिन्न बाजारों में थोक की दुकानों पर रौनक बढ़ गई है। थोक बाजार से फुटकर व्यापारी बड़ी मात्रा में माल खरीद रहे हैं। हर साल की तरह इस बार भी पिचकारी, टोपी, मुखौटा और टी–शर्ट बाजार में उपलब्ध हैं लेकिन कुछ नए डिजाइन के उत्पाद लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। इनकी कीमत थोक बाजार में 100 से 120 रुपये बताई जा रही है, जबकि फुटकर में यह 350 से 400 रुपये तक बिक सकती है। त्रिशूल, डमरू, फरसा और कटारी के रूप में तैयार की गईं पिचकारियां भी आकर्षक हैं। लगभग इसी मूल्य वर्ग में उपलब्ध हैं। वहीं छोटी पिचकारी थोक बाजार में करीब 23 रुपये में मिल रही है। बैग आकार की पिचकारी का थोक मूल्य लगभग 150 रुपये है। थोक व्यापारी के अनुसार, रंग–बिरंगी टोपियां 10, 15 और 25 रुपये में बिक रही हैं। हैप्पी होली प्रिंट वाली टी–शर्ट बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए 30 से 100 रुपये तक में उपलब्ध है।

छाता क्षेत्र में सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत, एक घायल

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। कोतवाली क्षेत्र में हुए सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पहली हादसा दिल्ली–आगरा नेशनल हाईवे पर सोमवार तड़के हुआ। गणपति ढाबा के पास और संस्कृति यूनिवर्सिटी के सामने एक अज्ञात वाहन ने राहगीर को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुँचाया, जहाँ उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। फरीदाबाद निवासी हिमांशु अग्रवाल ने घटना की सूचना पुलिस को दी।

पुलिस के मुताबिक 45 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति को गंभीर हालत में केडी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। केडी मेडिकल चौकी प्रभारी ललित कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मथुरा मोर्चरी भेज दिया है। पुलिस मृतक की शिनाख्त के प्रयास कर रही है। दूसरी ओर छाता नेशनल हाईवे पर गिन्नी फिलामेंट्स कंपनी के पास रविवार रात एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने पैदल जा रहे व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राहगीर सड़क पर लहूलुहान होकर गिर पड़ा। मौके पर पहुँचे पीआरवी कर्मियों ने घायल को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छाता में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद घायल की नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल मथुरा रेफर कर दिया। घायल की उम्र करीब 40 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

तापमान / मौसम

28 डिग्री सेल्सियस अधिकतम
13 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,58,000
22 कैरेट 1,45,360
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)
चांदी
2,50,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	आपातकालीन सेवा
1962	रेलवे हेल्पलाइन
100	पुलिस
108	एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	महिला हेल्पलाइन
1091	महिला पुलिस सहायता
1098	चाइल्ड हेल्पलाइन
104	स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बिजली शिकायत

1912– (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें)
वाट्सऐप: 8010957826

नगर निगम

1533 – नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 — सीवर सफाई के लिए
18003094747– टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565–2503632 – नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

पढ़िए वो जो पढ़ना चाहिए
यूनिक समय
www.uniquesamay.com

वायरल वीडियो के बाद युवक की संदिग्ध मौत

पत्नी और ससुर पर जहर देने का आरोप

मृतक को ले जाते हुए।

मृतक कुंवरपाल की मौत के बाद एकत्रित लोगों की भीड़।

यूनिक समय, गोवर्धन। थाना क्षेत्र के गांव पाली ब्राह्मणान में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से सनसनी फैल गई है। परिजनों ने मृतक की पत्नी और ससुर पर जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

कुंवरपाल की तबियत अचानक बिगड़ने पर उसे मथुरा के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार का कहना है कि वह पिछले दो वर्षों से बीमार चल रहा था, लेकिन उसकी मौत स्वाभाविक नहीं है। परिजनों के अनुसार मौत से पहले कुंवरपाल ने बताया था कि उसकी बेटी गन्ने का रस लेकर आई थी। रस पीने के कुछ देर बाद उसकी हालत बिगड़ गई। आरोप्ा है कि रस में जहरीला पदार्थ मिलाया गया था। मृतक के भाई प्यारेलाल ने पत्नी कोमल और ससुर प्रकाश सैनी पर साजिश के तहत जहर देने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले कुंवरपाल ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया था, जिसमें उसने पत्नी पर मारपीट और जान से मारने की आशंका जताई थी। वीडियो वायरल होने के बाद अब उसकी मौत को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पत्नी पक्ष ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि कुंवरपाल लंबे समय से बीमार था और उसकी मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह सामने आएगी। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक और तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

सड़क हादसे में दो युवकों की जान गई

आगरा के रहने वाले निकले दोनों

परिवारों में कोहराम, पुलिस जांच में जुटी

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आज तड़के एक भीषण सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसा गोवर्धन चौराहा के फ्लाईओवर पर उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी के परखच्चे उड़ गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, लेकिन एक युवक ने उपचार से पहले दम तोड़ दिया। वहीं, दूसरे घायल की मौत अस्पताल ले जाते समय रास्ते में हो गई। पुलिस जांच में मृतकों की पहचान आगरा निवासी सनी और लायक सिंह के रूप में की है। जानकारी के मुताबिक, दोनों युवक आगरा में एक वैवाहिक समारोह में शामिल होकर वापस अपनी ड्यूटी पर लौट रहे थे। थाना प्रभारी कमलेश सिंह ने बताया कि पुलिस ने अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। दोनों मृतकों के परिजन आगरा से मथुरा पोस्टमार्टम गृह पहुंचे। शवों को देखकर बिलखते नजर आए।

राया में शिव मंदिर पर कांवड़ चढ़ाने जा रहे युवकों के साथ मारपीट

पथराव का वीडियो वायरल

कांवड़ खंडित होने पर गया बढ़ गया था विवाद

यूनिक समय, राया (मथुरा)। थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव ढंगोंई में रविवार को गंगाघाट से कांवड़ लेकर आये युवकों से शिव मंदिर में जल चढ़ाने के दौरान ग्रामीणों ने मारपीट कर दी। इस दौरान युवकों की कांवड़ खंडित हो गयी। कांवड़ खंडित होने पर लोगो में आक्रोश व्याप्त हो गया। दोनों तरफ से मारपीट और पथराव शुरू हो गया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के अनुसार सोनू पुत्र राजेश एवं ऋषि पुत्र योगेंद्र महाशिवरात्रि पर गंगाघाट से कांवड़ लेकर आये थे। रविवार को सुबह परिजनों के साथ शिवमंदिर जाते समय कुछ लोगों ने उन्हें रोक कर गाली गलौज और मारपीट कर दी। इस दौरान कांवड़ खंडित होने से विवाद और बढ़ गया।

इस दौरान दोनों तरफ से लोगों ने एक दूसरे पर जमकर पथराव किया, जिससे गांव में अफरा तफरी मच गयी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामले को लेकर पीड़ितो ने आरोपियों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराकर कार्यवाही की मांग की है।

युवक की हत्या में वांछित दो आरोपी पुलिस ने दबोचे

युवक की हत्या के आरोप में पुलिस की गिरफ्त में दो आरोपी।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। राया पुलिस ने एक किशोर की हत्या के मामले में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त डंडा भी बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान राजवीर (48) पुत्र पलाराम और विष्णु (22) पुत्र सत्यवीर के रूप में हुई है। दोनों नगला चिकन गांव के निवासी हैं। उन्हें 16 फरवरी 2026 की सुबह उनके घर से पकड़ा गया। यह मामला 15 फरवरी को नगला चिकिन में हुई एक मारपीट की घटना से जुड़ा है। आपसी रंजिश के चलते लाठी-डंडों से हुए हमले में युवक रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी बाद में मौत हो गई। मृतक के परिजनों की तहरीर पर थाना राया में मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में कुल आठ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त राजवीर ने बताया कि मृतक रोहित के परिवार से उनकी पुरानी दुश्मनी थी। पूर्व में राजवीर की बेटी को भगाने के मामले में एक युवक के खिलाफ बलात्कार और पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया था। मृतक के परिजन उस आरोपी का समर्थन कर रहे थे, जिसके कारण यह रंजिश बढ़ गई। इसी पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया। अभियुक्त की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा बरामद कर लिया गया है।

मथुरा में हज यात्रियों का हेल्थ चेकअप एवं टीकाकरण

हज यात्रियों का टीकाकरण करती डॉक्टर।

71 हज यात्रियों की स्वास्थ्य जांच व टीकाकरण सम्पन्न

यूनिक समय, मथुरा। जनपद मथुरा में स्वास्थ्य विभाग द्वारा इस्लामिया इंटर कॉलेज में 71 हज यात्रियों का हेल्थ चेकअप एवं टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. राधा वल्लभ ने बताया कि अभियान के दौरान सभी हज यात्रियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहितास सिंह ने जानकारी दी कि यात्रियों को मेनिंगोकोक्कल, सीजनल इन्फ्लुएंजा एवं पोलियो की वैक्सीन लगाई गई।

साथ ही प्रशिक्षकों द्वारा हज यात्रा से संबंधित आवश्यक स्वास्थ्य प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। अल्पसंख्यक विभाग ने कार्यक्रम में सहयोग करते हुए यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई। हेल्थ कैंप में डॉ. सचिन शर्मा, एडीईओ एमपी सिंह, जेएसआई से सीएसओ संजय यादव, यूएनडीपी से भुवनेश्वर शर्मा, यूनिसेफ से पूनम यादव सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई।

कॉरिडोर विवाद में सेवायतों के बीच आर-पार

गोस्वामी के खिलाफ सेवायतों की महिलाओं ने किया प्रदर्शन

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांके बिहारी कॉरिडोर को लेकर सेवायतों के बीच जारी गतिरोध अब कोतवाली तक पहुँच गया है। हाई पावर्ड कमेटी के सदस्य और सेवायत दिनेश गोस्वामी ने तीन नामजद और 15 अज्ञात महिलाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस कार्रवाई के विरोध में गोस्वामी समाज की महिलाओं ने मंदिर के गेट नंबर 1 पर प्रदर्शन करते हुए प्रशासन और कमेटी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। यह विवाद तब और गहरा गया जब सोशल मीडिया पर दोनों पक्षों के बीच मर्यादा की सीमाएं लांघ दी गईं। हाई पावर कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी का कहना है कि महिलाओं ने उनके घर में घुसकर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और जूते से मारने की धमकी दी, जिसके चलते उन्हें कानूनी कदम उठाना पड़ा। मंदिर के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने आरोप लगाया कि दिनेश गोस्वामी प्रशासन के साथ मिलकर सेवायतों पर रजिस्ट्री करने का दबाव बना रहे हैं। महिलाओं का कहना है कि दिनेश गोस्वामी कमेटी में हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए हम अपनी बात रखने उनके पास गए थे। दिनेश गोस्वामी की शिकायत पर वृंदावन कोतवाली में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद गोस्वामी समाज में उबाल है। प्रदर्शन कर रही रेनू गोस्वामी ने कहा कि महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है। कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी द्वारा झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है। नीलम गोस्वामी ने कहा कि हम सभी महिलाओं पर लगाए गए आरोप निराधार है। वह कह रहे है कि उन्हें हम महिलाओं से खतरा है। महिलाओं ने कमेटी के अध्यक्ष अशोक कुमार से समय मांगा हैं। हम सभी महिलाएं उनसे मिलकर सभी बातों को सामने रखेंगे। इस मौके पर कुसुम गोस्वामी, सुमन गोस्वामी, सुनीता गोस्वामी, राधा मिश्रा, नीरू गोस्वामी, राखी गोस्वामी एवं ममता गोस्वामी आदि मौजूद थी।

बांके बिहारी मंदिर गेट पर प्रदर्शन करती सेवायत गोस्वामियों की महिलाएं।

दिनेश गोस्वामी ने महिलाओं पर दर्ज कराई प्राथमिकी

अशोक सोलंकी अध्यक्ष व राजकुमार सिंह मन्त्री बने

यूनिक समय, चौमुहां। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ ब्लॉक इकाई चौमुहां की शैक्षिक संगोष्ठी व त्रिवार्षिक निर्वाचन सी एस आर वी विद्या आश्रम में हुआ। चुनाव अधिकारी गोविन्द सिंह चौहान व पर्यवेक्षक वीरेन्द्र शर्मा ने बताया कि निर्वाचन में अध्यक्ष पद व मन्त्री पद को एक एक आवेदन प्राप्त हुआ। इसमें अशोक कुमार सोलंकी अध्यक्ष व राजकुमार सिंह मन्त्री निर्विरोध निर्वाचित हुए। साथ ही हरिओम शर्मा को संरक्षक, हरनारायण सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष व पृथ्वीराज पोइया को कोषाध्यक्ष घोषित किया। नव निर्वाचित अध्यक्ष अशोक कुमार सोलंकी ने कहा कि वह शिक्षक हित में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी व निष्ठा के साथ करेंगे। किसी प्रकार का कोई अन्याय नहीं होने दिया जायेगा। कार्यक्रम में खण्ड शिक्षा अधिकारी कैलाश प्रसाद शुक्ला, हिन्दू इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ गिर्राज सिंह, हरिओम शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरनारायण सिंह, कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज पोइया ने भी विचार व्यक्त किए।

बीएसए ने मृतक की आश्रित पत्नी को नियुक्ति दी

यूनिक समय, मथुरा। छाता तहसील में बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित पूर्व माध्यमिक विद्यालय चंदौरी पर कार्यरत सेवक के पद पर ललित अरोड़ा का देहांत आज से 15 महीने पूर्व हुआ था तब से उनके आश्रित पत्नी उषा अरोड़ा मृतक आश्रित के रूप में नियुक्ति हेतु प्रयासरत थी किंतु उन्हें निराशा ही हाथ लगी। इधर-उधर भटकने के बाद उनके द्वारा ब्लॉक छाता के एआरपी कुलवंत सिंह एवं मंडलीय महामंत्री भगवान सिंह को अवगत कराया। मामले को खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश चंद्र त्रिपाठी एवं बीएसए श्रीमती रतन कीर्ति के संज्ञान में लाया। बीएसए ने मामले पर प्राथमिकता के तौर पर संज्ञान लेते हुए छह दिवस के अंदर नियुक्ति आदेश जारी किया गया।

बीएसएसीईटी के छात्रों का मदर डेयरी में औद्योगिक भ्रमण

मदर डेयरी में भ्रमण करते बीएसएसीईटी के छात्र-छात्राएँ।

एमबीए छात्रों ने समझी सप्लाई चेन मैनेजमेंट की कार्यप्रणाली

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग द्वारा एमबीए अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को नई दिल्ली स्थित मदर डेयरी में औद्योगिक भ्रमण कराया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को कंपनी की कार्यप्रणाली एवं सप्लाई चेन मैनेजमेंट की विस्तृत जानकारी दी गई।

कंपनी प्रतिनिधि आरकेआर पिल्लई ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से बताया कि विभिन्न गांवों से दुग्ध एकत्र कर उसकी गुणवत्ता जांच की जाती है। उपयुक्त दुग्ध का पाश्चुरीकरण कर उसे एक लाख लीटर क्षमता वाले बड़े टैंकों में संग्रहित किया जाता है। इसके बाद उसी दुग्ध से आइसक्रीम, दही, छाछ, पनीर आदि उत्पाद तैयार कर बाजार में उपलब्ध कराए जाते हैं। एमबीए विभागाध्यक्ष गजेन्द्र गर्ग एवं प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि ऐसे औद्योगिक भ्रमण विद्यार्थियों को प्रबंधन की वास्तविक कार्यप्रणाली समझने और व्यावसायिक कौशल विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। भ्रमण के दौरान शिक्षकगण रक्षा अग्रवाल, अमित रतन, देवव्रत सिंह एवं संजना सारस्वत भी उपस्थित रहे। कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल, वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल, निदेशक प्रो. डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल तथा रजिस्ट्रार भगवान सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान छात्रों के हित में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में शैक्षणिक भ्रमण आयोजित करता रहता है।

केंद्र सरकार पर किसानों में भ्रम फैलाने का आरोप

ज्ञापन को दिखाते भाकियू अम्बावता के पदाधिकारी।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। इसमें किसानों से जुड़ी पांच प्रमुख मांगें उठाई गईं। मांगों में अमेरिका के साथ भारत की ट्रेड डील रद्द करना, किसानों को कर्जमुक्त करना, शिक्षा और चिकित्सा को निशुल्क उपलब्ध कराना, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा देना और 60 वर्ष से अधिक आयु के किसानों के लिए 5000 रुपये प्रतिमाह पेंशन निर्धारित करना शामिल है। जिला अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि एमएसपी को कानूनी दर्जा न मिलने के कारण किसानों को अपनी फसल का उचित दाम नहीं मिल पाता, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने बुजुर्ग किसानों की पेंशन बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। जिला महासचिव गिरीश कुमार चौधरी ने सरकार पर किसानों के बीच भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। किसान यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द ही सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज करेंगे।

सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान का वृद्धजन सम्मान एवं होली मिलन आठ को

बैठक में माजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की अति आवश्यक बैठक कैंप कार्यालय जगन्नाथ पुरी में पंडित सोहनलाल शर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि होली मिलन समारोह आठ मार्च रविवार सायं 4:30 बजे चित्रकूट मसानी पर आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम में 51 विप्र बंधुओं का सम्मान भी किया जाएगा। संस्थान सचिव नारायण शर्मा ने बताया कि नव विक्रम संवत 2083 (2026-27) का पंचांग भी समारोह में निःशुल्क वितरित किया जाएगा। पंचांग प्रकाशन हेतु दिलीप पांडे के निर्देशन में चार सदस्यीय समिति गठित की गई है। बैठक में यूजीसी एक्ट को हटाने संबंधी मांग तथा दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़े प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग भी उठाई गई। इस अवसर पर ललित स्वामी, सुरेंद्र मुकुट वाले, इंजीनियर जयप्रकाश मैथिल, खेमचंद शर्मा एडवोकेट सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

चित्रकूट पर आयोजित कार्यक्रम में 51 विप्र बंधुओं का सम्मान भी किया जाएगा

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ करणी सेना का प्रदर्शन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता यूजीसी के नए नियमों का विरोध करने और इस बिल को वापस लेने की मांग करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने डीएम ऑफिस पर पहुंच कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शन करने पहुंचे लोगों ने इस बिल को तत्काल वापस न लेने पर आठ मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने का ऐलान किया। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह के ज्ञापन न लेने आने पर क्षत्रिय करणी सेना के पदाधिकारी नाराज हो गए। इसके बाद उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को ज्ञापन सौंपा। इस्तीफा देने वाले अलंकार अग्निहोत्री द्वारा राजनीतिक दल बनाने की घोषणा का स्वागत और समर्थन देने की बात कहते हुए क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत ने कहा कि वह भी जल्द राजनीतिक पार्टी बनायेंगे। दिल्ली यूनिवर्सिटी में महिला पत्रकार के साथ की गई बदसलूकी को राज शेखावत ने कहा कि यह दुर्भावनापूर्ण व्यवहार बताया।

डीएम ऑफिस पर सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को ज्ञापन देते क्षत्रिय करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज शेखावत आदि।

क्षत्रिय करणी सेना का आठ मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में प्रदर्शन करने का ऐलान

रंगेश्वर महादेव मंदिर के बाहर प्रसाद वितरण

यूनिक समय, मथुरा। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को रंगेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव एवं रंगेश्वरी काली मां का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शाम के समय कुट्टू के आटे की पकौड़ी और नारियल की चटनी का भोग अर्पित करने के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। शिवभक्त बबलू चौधरी, प्रियंका चौधरी, मां के दास अशोक गुप्ता, बांके बिहारी, कुंज बिहारी सहित अन्य भक्तों ने व्यवस्था संभालते हुए श्रद्धालुओं को रोक-रोककर प्रसाद प्रदान किया।

महाशिवरात्रि पर रंगेश्वर मंदिर परिसर में प्रसाद वितरित करते शिवभक्त।

जीएलए के छात्र की आईआईएम शिलोंग में रिस्पॉन्सिबल एआई पर इंटरनेशनल प्रस्तुति

यूनिक समय, मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय के इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट से बीबीए द्वितीय वर्ष के छात्र हर्ष अग्रवाल ने भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में आयोजित आई–मार्क वी 5वीं अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग कॉन्फ्रेंस में अपना शोध पत्र प्रस्तुत कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस देश–विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों की उपस्थिति में आयोजित हुई, जिसमें समकालीन मार्केटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा की गई। हर्ष अग्रवाल के शोध पत्र का शीर्षक "ब्रिजिंग प्राइवेसी एंड एक्सपेक्टेशंसरू कंज्यूमर एडॉप्शन ऑफ रिस्पॉन्सिबल एआई" रहा। यह शोध उपभोक्ताओं,

डॉ. प्रीति ठाकुर

हर्ष अग्रवाल

विशेष रूप से विद्यार्थियों द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने की प्रक्रिया, उनकी अपेक्षाओं तथा गोपनीयता से जुड़े पहलुओं पर केंद्रित है। शोध में यह समझने का प्रयास किया गया कि छात्र एआई तकनीक को किस दृष्टिकोण से देखते हैं, वे इससे क्या अपेक्षाएं रखते हैं और डेटा प्राइवेसी के प्रति उनकी सोच क्या है। यह शोध कार्य लगभग 1,000 विद्यार्थियों पर आधारित सर्वेक्षण पर आधारित रहा, जिसके माध्यम से एआई के उपयोग, उसके प्रभाव तथा छात्रों की मानसिकता का विश्लेषण किया गया। शोध के निष्कर्षों में पाया गया कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों पर एआई और अन्य आधुनिक प्रौद्योगिकी का कोई अत्यधिक नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट रूप से परिलक्षित नहीं होता। इससे यह विषय वर्तमान शैक्षणिक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत प्रासंगिक सिद्ध होता है। शोध में यह भी उल्लेख किया गया कि यदि एआई का जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग किया जाए तो यह छात्रों के लिए सहायक और उपयोगी सिद्ध हो सकता है। यह शोध पत्र इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, जीएलए विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. प्रीति तरकर के मार्गदर्शन में तैयार एवं प्रस्तुत किया गया। डॉ. प्रीति तरकर ने शोध की प्रारंभिक अवधारणा से लेकर डेटा संग्रह, विश्लेषण और अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुति तक छात्र का निरंतर मार्गदर्शन किया। हर्ष अग्रवाल एवं डॉ. प्रीति तरकर दोनों ने भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सहभागिता की। इस अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में भारत सहित विभिन्न देशों से आए शोधार्थियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों द्वारा लगभग 250 से अधिक शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। सम्मेलन समिति द्वारा हर्ष अग्रवाल की प्रस्तुति की विशेष सराहना की गई। उन्हें इस कॉन्फ्रेंस में शोध पत्र प्रस्तुत करने वाले सबसे कम आयु के प्रतिभागी के रूप में विशेष रूप से प्रशंसा प्राप्त हुई, जो जीएलए विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। छात्र के शोध पत्र का सारांश भारतीय प्रबंधन संस्थान शिलोंग द्वारा प्रकाशित बुक ऑफ एब्स्ट्रैक्ट्स में भी सम्मिलित किया गया है। इंस्टिट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक प्रो. अनुराग सिंह, विभागाध्यक्ष प्रो. उत्कल खंडेलवाल एवं एसोसिएट विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णवीर सिंह ने छात्र की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक मंचों पर प्रस्तुति के लिए निरंतर प्रोत्साहित करता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक सहयोग, अनुभवी फैकल्टी का मार्गदर्शन तथा अनुसंधान–अनुकूल वातावरण छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डीन रिसर्च प्रो. कमल शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनती हैं और जीएलए विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान प्रदान करती हैं।

यूपी बोर्ड की इंटर और हाईस्कूल की परीक्षा 18 से शुरू होंगी

प्रवेश पत्र खोने पर नहीं छूटेगी परीक्षा, मिलेगा एक अवसर

शपथ पत्र के आधार पर पेपर दिलाया जाएगा, बाद में स्कूल से लाना होगा

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट और हाईस्कूल की परीक्षा भी 18 फरवरी से शुरू होंगी। सभी परीक्षा केंद्रों के लिए पेपर और उत्तर पुस्तिकाएं पहुंच गई है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने नई पहल शुरू की है। संयुक्त शिक्षा डॉ. निदेशक मुकेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष पेपर वाले दिन प्रवेशपत्र खोने पर छात्रों की परीक्षा नहीं छूटेगी। ऐसे छात्रों को शपथपत्र के आधार पर एक पेपर बिना प्रवेशपत्र दिलाया जाएगा। हालांकि उसके पास आधार कार्ड या अन्य एक आईडी होना जरूरी है। दूसरा पेपर छात्र तभी दे सकेगा, जब वह स्कूल से प्रवेश पत्र ले आएगा। उन्होंने बताया कि जिले में बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर बनाए परीक्षा केंद्रों पर 18 फरवरी से परीक्षा शुरू होंगी। इनको लेकर जिले में तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। श्री अग्रवाल के मुताबिक कोई परीक्षार्थी उत्तर पुस्तिका में नोट रखता पकड़ा या पाया गया तो उसकी उत्तर पुस्तिका लॉक कर दी जाएगी। इसे नकल माना जाएगा। नकल सामग्री में अब नोट को भी शामिल कर दिया गया है।

सीबीएसई बोर्ड की इंटर और हाईस्कूल परीक्षा कल से

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। सीबीएसई की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरू होंगी। इसके लिए जिले में सभी तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है। परीक्षा केंद्रों पर व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं। केंद्र व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सीबीएसई बोर्ड के नोडल अधिकारी/ प्रिंसिपल शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जिले में तीस परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केंद्रों पर कक्षा दस से– 13,777 तथा कक्षा 12 के 10,898 परीक्षार्थी भाग लेंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर गोपनीयता के विशेष इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा शांतिपूर्ण व नकलविहीन संपन्न कराने के लिए विद्यालय प्रबंधन सतर्क है। सभी परीक्षा केंद्र के संचालकों ने परीक्षार्थियों से समय से पहले केंद्र पर पहुंचने और बोर्ड के निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उधर, सीबीएसई की कक्षा 12 एवं 10 की परीक्षा में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं ने देर रात तक परीक्षा की तैयारियां की। भरोसा है कि वह पेपर को सही ढंग से करके आएंगे।

परीक्षा से पहले घबराएं नहीं आत्मविश्वास को रखें मजबूत

परीक्षा से पहले बच्चों को किसी भी प्रकार की चिंता नहीं करनी है

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। यूपी बोर्ड की परीक्षाओं को लेकर कई विद्यार्थी परीक्षा से पहले घबरा जाते हैं। इससे वह प्रश्न आने के बाद भी वह हल नहीं कर पाते हैं। इसको लेकर जिले के मनोविज्ञान चिकित्सक और शिक्षकों ने विद्यार्थियों को सलाह दी है कि वह परीक्षा में घबराएं नहीं आत्मविश्वास के साथ परीक्षा दें। परीक्षा से पहले बच्चों को किसी भी प्रकार की चिंता नहीं करनी है। फ्री माइंड होकर परीक्षा देने जाएं। घर से निकलने के बाद अनावश्यक रूप से किसी नए अध्याय को न पढ़ें। इससे कई सारी भ्रांतियां होने से बचा जा सकता है। बोर्ड परीक्षा में समय का बहुत महत्व होता है। परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा केंद्र की जानकारी पहले ही कर लेनी चाहिए। परीक्षा केंद्र तक पहुंचने के लिए किन साधनों का उपयोग करना है। यह भी पहले से तय कर लें। परीक्षा के दिन किसी भी प्रकार की देरी से बचने के लिए समय पर पहुंचना जरूरी है। परीक्षा के दौरान उत्तर पुस्तिका और प्रश्नपत्र मिलता है। उसमें सही ढंग से रोल नंबर लिखने का विशेष ध्यान रखें। कई बार उत्तर पुस्तिका के पन्ने इधर–उधर हो जाते हैं। ऐसे में रोल नंबर सही से लिखा होगा तो कॉपी आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा, उत्तर पुस्तिका में साफ और स्पष्ट लिखावट रखें जिससे परीक्षक को पढ़ने में कोई दिक्कत न हो। परीक्षा को लेकर कई विद्यार्थी तनाव में आ जाते हैं। उन्होंने एक साल में जो भी पढ़ा है। उसी पर ध्यान दें। किसी प्रकार का तनाव लेने की आवश्यकता नहीं है। परीक्षा से पहले कम से कम 6 घंटे की नींद लेना अनिवार्य है।

दस साल में 2 घंटे 11 मिनट छोटा होगा और सबसे लंबा रोजा

मथुरा में रमजान 18 या 19 से शुरू होंगे

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बरसात और गर्मी से खिसक कर मुकद्दस रमजान सर्दियों में पहुंच गया है। इस पाक महीने की शुरुआत 18 या 19 फरवरी से होने की उम्मीद है। पिछले दस वर्षों में सबसे लंबा रोजा 2016 में पड़ा था। वर्ष 2016 में रमजान का सबसे लंबा रोजा 15 घंटे 45 मिनट का था... इस बार रोजे की अवधि घटकर 13 घंटे 34 मिनट हो गई है। इस हिसाब से दस वर्षों में सबसे लंबे रोजे की अवधि में 2 घंटे 11 मिनट की कमी आ गई है। वहीं इस बार सबसे छोटा रोजा 12 घंटे 46 मिनट का होगा। अगर 18 फरवरी की शाम चांद का दीदार हुआ तो 19 फरवरी से मुकद्दस रमजान के शुरू होने की पूरी उम्मीद है। आखिरी रोजा 20 मार्च को होगा। इन तीस दिनों में रोजेदारों को इबादत करने के लिए पांच शुक्रवार (जुमा) मिलेगा। ये पांच जुमे 20 फरवरी, 27 फरवरी, 6 मार्च, 13 मार्च और 20 मार्च को पड़ेंगे। इस हिसाब से इस बार आखिरी रोजा अलविदा (आखिरी जुमा) होगा। रमजान को लेकर मुस्लिम क्षेत्रों में तैयारियां शुरू हो गई। रोजा रखने वाले दिन में कुछ नही खाएंगे, लेकिन दिन छिपने के साथ नमाज अदा करने के लिए खाना शुरू करेंगे। फिर सुबह चार बजे कुछ खा लेंगे। सुबह के समय मुस्लिम क्षेत्रों में रौनक दिखाई देगी।

ज्ञानदीप शिक्षा भारती में स्काउट–गाइड शिविर सम्पन्न

शिविर में छात्रों के टैंटो का अवलोकन करते विद्यालय के संस्थापक सचिव मोहन स्वरूप भाटिया व अन्य।

शिविर का शुभारम्भ संस्थापक सचिव मोहन स्वरूप भाटिया ने किया

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन रोड स्थित ज्ञानदीप शिक्षा भारती के विशाल मैदान में दो दिवसीय स्काउट–गाइड शिविर हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। शिविर का शुभारम्भ विद्यालय के संस्थापक सचिव मोहन स्वरूप भाटिया द्वारा ध्वजारोहण कर किया गया। इस अवसर पर स्काउट आंदोलन के प्रणेता लॉर्ड बेडन पावेल के चित्र पर प्राचार्या रजनी नौटियाल ने माल्यार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान प्रशासनिक अधिकारी आशीष भाटिया, अंजू शर्मा, सुरभि गौतम, कन्हैया राजपूत तथा संयोजक अक्ष भाटिया ने खेल मैदान में लगाए गए आकर्षक शिविरों का निरीक्षण किया और स्काउट–गाइड छात्रों के कलात्मक एवं अनुशासित योगदान की सराहना की। आयोजन में स्काउट–गाइडों ने सामूहिक प्रतिज्ञा वाचन किया। कलाकार छात्र–छात्राओं ने गायन, सामूहिक नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

केडी विश्वविद्यालय में विज्ञान और नवाचार में भारतीय उपलब्धियों पर संगोष्ठी

हर समयकाल में भारतीयों ने फहराया अपनी बौद्धिकता का परचम

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय द्वारा "अखण्ड भारतः विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में भारतीयों के योगदान" विषय पर आयोजित संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि भारत ने हर युग में विज्ञान और नवाचार के क्षेत्र में विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सिंधु घाटी सभ्यता से लेकर वैदिक काल और आधुनिक समय तक भारतीय वैज्ञानिक परंपरा निरंतर समृद्ध रही है। कई भारतीय वैज्ञानिकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार से भी सम्मानित किया जा चुका है।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, उपकुलसचिव हेमा जोशी तथा आयोजन सचिव डॉ. गुलशन कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता डॉ. विनीता गुप्ता ने कहा

विज्ञान और नवाचार विषयक संगोष्ठी के शुभारम्भ के अवसर पर कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी एवं अन्य गणमान्य अतिथि।

कि भारत में वैज्ञानिक अन्वेषण की परंपरा वैदिक काल से जुड़ी है। उन्होंने महान गणितज्ञ आर्यभट्ट के योगदान का उल्लेख करते हुए बताया कि शून्य सहित अनेक गणितीय अवधारणाएं भारतीय मनीषा की देन हैं। गणित, खगोल विज्ञान, ज्यामिति, चिकित्सा, भौतिकी और रसायन विज्ञान जैसे क्षेत्रों में भारतीयों की उपलब्धियां उल्लेखनीय रही हैं। डॉ. वीरेन्द्र मिश्रा ने कहा कि वर्तमान में भारत विश्व के बड़े वैज्ञानिक एवं इंजीनियर समूहों में शामिल है। स्वदेशी परमाणु तकनीक, बैलिस्टिक मिसाइल विकास और अंतरिक्ष अनुसंधान में देश ने महत्वपूर्ण प्रगति की है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के माध्यम से जीएसएलवी जैसे प्रक्षेपण कार्यक्रम भारत की क्षमता का प्रमाण हैं। केडी मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरके अशोका एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. अम्बरीश कुमार ने सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत की अग्रणी भूमिका पर प्रकाश डाला।

अजय शर्मा ने बताया कि भारत न्यूट्रिनो, गुरुत्वाकर्षण तरंगों, स्क्रैमजेट तकनीक और मानव अंतरिक्ष मिशन जैसी उन्नत परियोजनाओं में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत 38वें तथा शोध प्रकाशनों में विश्व में तीसरे स्थान पर है, जो देश की बढ़ती अनुसंधान क्षमता को दर्शाता है। संगोष्ठी का संचालन डॉ. गुलशन कुमार ने किया तथा अंत में कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

दिल को मजबूत बनाने के लिए रोज करें ये 5 योगासन

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में हृदय को स्वस्थ रखना बड़ी चुनौती बन गया है। गलत खानपान, तनाव, शारीरिक निष्क्रियता और बढ़ता ब्लड प्रेशर दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ा रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि रोजाना सिर्फ 30 मिनट योगाभ्यास किया जाए तो हार्ट हेल्थ में उल्लेखनीय सुधार देखा जा सकता है। नियमित योग से ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है, हार्ट बीट संतुलित होती है और तनाव कम होता है, जिससे हृदय प्रणाली मजबूत बनती है।

ताड़ासन (पर्वत मुद्रा) से शुरुआत करना लाभकारी माना जाता है। यह आसन शरीर की मुद्रा सुधारता है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ाता है और रक्त संचार बेहतर करता है। सीधे खड़े होकर गहरी सांस लेने से ऑक्सीजन का प्रवाह बढ़ता है, जिससे दिल और फेफड़े बेहतर काम करते हैं।

अधो मुख श्वनास शरीर के ऊपरी और निचले हिस्से को मजबूत बनाता है। इस आसन से ब्लड सर्कुलेशन तेज होता है और रक्त वाहिकाओं की कार्यक्षमता में सुधार आता है। नियमित अभ्यास से हृदय को सक्रिय और सशक्त बनाए रखने में मदद मिलती है।

उत्थिता त्रिकोणासन छाती को फैलाता है और शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बढ़ाता है। इससे रक्त संचार सुधरता है और हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलती है। यह आसन पैरों को भी मजबूत बनाता है और संतुलन सुधारता है। सेतु बंध सर्वांगासन हृदय को हल्की उत्तेजना देकर शिराओं में रक्त प्रवाह बेहतर करता है। पीठ के बल लेटकर कूल्हों को ऊपर उठाने से छाती खुलती है और दिल तक रक्त संचार सुचारु होता है। यह आसन तनाव कम करने में भी सहायक है।

विपरीत करणी को हृदय के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। पैरों को दीवार के सहारे ऊपर उठाकर रखने से रक्तचाप नियंत्रित करने में मदद मिलती है और शरीर को गहरा आराम मिलता है। यह आसन तनाव और थकान दूर करने में प्रभावी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि योग को संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य जांच के साथ जोड़ना चाहिए। किसी भी गंभीर हृदय रोग या उच्च रक्तचाप की स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेकर ही अभ्यास शुरू करें। नियमित योग न केवल दिल को मजबूत बनाता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है।

स्टील, लोहा या एल्यूमिनियम किस कड़ाही में पकाएं रोज का खाना

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय रसोई में कड़ाही का खास महत्व है। सब्जी, तड़का, फ्राई या पूड़ी–लगभग हर व्यंजन के लिए कड़ाही का इस्तेमाल होता है। लेकिन सवाल यह है कि खाना पकाने के लिए कौन–सी कड़ाही सेहत के लिए बेहतर है–स्टील, लोहा या एल्यूमिनियम? सही बर्तन का चुनाव स्वाद के साथ–साथ स्वास्थ्य पर भी असर डालता है। स्टील की कड़ाही आजकल सबसे ज्यादा इस्तेमाल की जाती है। इसे सुरक्षित और टिकाऊ माना जाता है। स्टेनलेस स्टील खाने के स्वाद या पोषक तत्वों के साथ रिएक्ट नहीं करता, इसलिए यह रोजमर्रा के उपयोग के लिए अच्छा विकल्प है। इसमें दाल, सब्जी या ग्रेवी आराम से बनाई जा सकती है। हालांकि कम तेल में खाना पकाते समय चिपकने की समस्या हो सकती है, इसलिए आंच और तेल का संतुलन जरूरी है। साफ–सफाई भी आसान होती है, जिससे यह व्यस्त जीवनशैली के लिए उपयुक्त बनती है। लोहे की कड़ाही सेहत के लिहाज से फायदेमंद मानी जाती है। इसमें बना भोजन शरीर को थोड़ी मात्रा में आयरन देता है, जिससे आयरन की कमी दूर करने में मदद मिल सकती है। यह कड़ाही जल्दी गर्म होती है और खाना अच्छी तरह पकाती है। हालांकि इसमें खट्टी चीजें जैसे टमाटर या इमली वाली सब्जियां लंबे समय तक रखना ठीक नहीं माना जाता। सही तरीके से साफ न करने पर जंग लगने की संभावना भी रहती है। इसलिए खाना बनाकर तुरंत दूसरे बर्तन में निकाल लेना बेहतर होता है। एल्यूमिनियम की कड़ाही हल्की और सस्ती होती है तथा जल्दी गर्म हो जाती है। लेकिन स्वास्थ्य विशेषज्ञ इसे नियमित उपयोग के लिए उचित नहीं मानते। तेज आंच और खट्टी चीजों के संपर्क में आने पर एल्यूमिनियम के कण खाने में मिल सकते हैं। लंबे समय तक ऐसे बर्तनों का उपयोग स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ा सकता है।

निष्कर्षतः रोजमर्रा के लिए स्टील की कड़ाही सुरक्षित और संतुलित विकल्प है, जबकि आयरन की जरूरत होने पर लोहे की कड़ाही का सीमित उपयोग फायदेमंद हो सकता है। एल्यूमिनियम से बचना ही बेहतर है।

धोते वक्त अपनाएं ये आसान उपाय

अंगूर पर लगे केमिकल को ऐसे हटाएं

यूनिक समय, मथुरा। बाजार में मिलने वाले अंगूर देखने में भले ही ताजे, रसीले और चमकदार लगते हों, लेकिन उन पर कीटनाशक, मोम की परत और गंदगी मौजूद हो सकती है। अंगूर का छिलका पतला और नाजुक होता है, इसलिए ये आसानी से केमिकल और धूल को सोख लेते हैं। सिर्फ पानी से धोना पर्याप्त नहीं माना जाता। अगर आप अंगूर को सही तरीके से साफ करना चाहते हैं, तो ये आसान घरेलू उपाय अपनाएं।

पहला स्टेपः बहते पानी से प्राथमिक सफाईः सबसे पहले अंगूर को डंठल सहित एक बड़े बर्तन या छलनी में रखें और ठंडे बहते पानी के नीचे 20-30 सेकंड तक धीरे–धीरे हाथों से रगड़ते हुए धोएं। इससे ऊपर जमी धूल और गंदगी हट जाती है। हालांकि इससे सभी कीटनाशक पूरी तरह खत्म नहीं होते, लेकिन उनकी मात्रा कम हो जाती है।

दूसरा स्टेपः बेकिंग सोडा का इस्तेमालः कीटनाशकों को कम करने के लिए एक बड़े बर्तन में पानी लें और उसमें 1-2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। अंगूर को इस घोल में 10-15 मिनट के लिए भिगो दें। इसके बाद हल्के हाथों से रगड़ें और साफ पानी से अच्छी तरह धो लें। रिसर्च के मुताबिक बेकिंग सोडा कई कीटनाशक तत्वों को तोड़ने में मदद करता है।

तीसरा स्टेपः सिरके से कीटाणु खत्म करें : एक भाग सफेद सिरका और तीन भाग पानी मिलाकर घोल तैयार करें। अंगूर को इसमें कुछ मिनट के लिए डुबोकर रखें। सिरका बैक्टीरिया, फफूंद और अन्य रोगाणुओं को कम करने में मदद करता है। बाद में अंगूर को दोबारा साफ पानी से जरूर धो लें, ताकि सिरके की गंध न रहे।

चौथा स्टेपः सुखाना जरूरीः धोने के बाद अंगूर को साफ कपड़े या किचन टॉवल से हल्के हाथों से थपथपाकर सुखाएं। गीले अंगूर सीधे फ्रिज में रखने से फफूंदी लगने की संभावना बढ़ जाती है। पूरी तरह सूखने के बाद ही स्टोर करें।

पांचवां स्टेपः सही तरीके से स्टोर करेंः अंगूर को हवादार डिब्बे में रखें। जरूरत हो तो उतने ही अंगूर धोएं जितने तुरंत खाने हों। ज्यादा देर तक नमी रहने से बैक्टीरिया पनप सकते हैं।

दही वड़ा बनाते समय न दोहराएं ये गलती, ऐसे बनेंगे बाजार जैसे मुलायम

यूनिक समय, मथुरा। दही वड़ा त्योहारों की खास डिश है, लेकिन अक्सर घर पर बने वड़े उतने मुलायम नहीं बनते जितने बाजार में मिलते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह एक छोटी सी गलती है। उड़द दाल को पीसकर अच्छी तरह एक ही दिशा में फेंटना जरूरी है, ताकि

उसमें हवा भर सके। बैटर को चेक करने के लिए थोड़ा सा मिश्रण पानी में डालें–अगर ऊपर तैर जाए तो समझें सही फेंटा गया है। इसके बाद थोड़ा सा बेकिंग सोडा मिलाकर बैटर को 10 मिनट ढककर रख दें। ध्यान रखें, सेट होने के बाद बैटर को दोबारा न फेंटें। यही गलती वड़ों को सख्त बना देती है। गर्म तेल में बिना दोबारा चलाए बैटर से वड़े डालें और सुनहरा तलें। फिर गुनगुने पानी में भिगोकर हल्का निचोड़ लें। ऊपर से दही, हरी–मीठी चटनी और मसाले डालें। इस तरीके से दही वड़ा रूई जैसे नरम और दोगुना फूले हुए बनेंगे।

फरवरी में घूमने के लिए बेस्ट जगहें, सुहावने मौसम में बनाएं ट्रिप का प्लान

यूनिक समय, नई दिल्ली। फरवरी का महीना घूमने–फिरने के लिए बेहद खास माना जाता है। इस समय न तो कड़ाके की सर्दी रहती है और न ही गर्मी की तपिश शुरू होती है। हल्की ठंड और खुशनुमा धूप के बीच आप परिवार या दोस्तों के साथ यादगार ट्रिप प्लान कर सकते हैं। अगर आप भी फरवरी में कहीं घूमने का मन बना रहे हैं तो ये जगहें आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती हैं।

कच्छ (गुजरात): फरवरी में कच्छ का रण अपने पूरे रंग में होता है। यहां आयोजित होने वाला रण उत्सव पर्यटकों को खास आकर्षित करता है। सफेद रण का नजारा, लोक संगीत, पारंपरिक नृत्य और स्थानीय हस्तशिल्प यहां की खास पहचान हैं। रेगिस्तान में ऊंट सफारी और सांस्कृतिक कार्यक्रम आपकी यात्रा को यादगार बना सकते हैं।

लाचेन (सिक्किम): अगर आप बर्फबारी देखना चाहते हैं तो सिक्किम का लाचेन बेहतरीन जगह है। फरवरी में यहां आसपास की वादियां बर्फ से ढकी मिल सकती हैं। पास का लाचुंग क्षेत्र और युमथांग वैली भी बेहद खूबसूरत हैं। शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य सुकून का अनुभव कराते हैं।

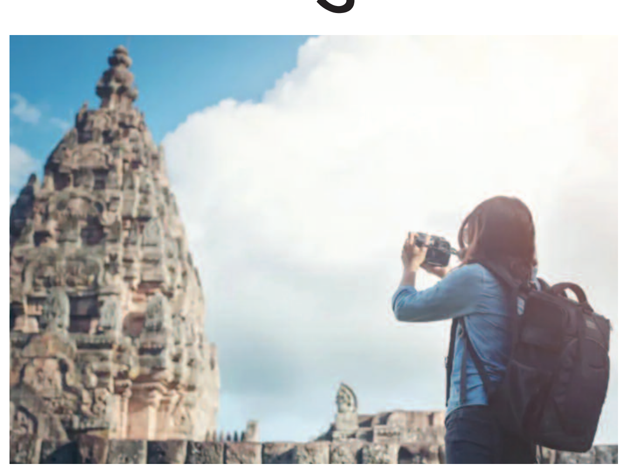

आगरा (उत्तर प्रदेश): दिल्ली–एनसीआर के लोगों के लिए आगरा एक परफेक्ट वीकेंड डेस्टिनेशन है। फरवरी में यहां का मौसम ताजमहल घूमने के लिए आदर्श रहता है। आप ताजमहल के साथ आगरा किला और फतेहपुर सीकरी भी देख सकते हैं। हल्की ठंड में ऐतिहासिक धरोहरों की सैर का अलग ही आनंद है।

खजुराहो (मध्य प्रदेश): कला और इतिहास प्रेमियों के लिए खजुराहो शानदार विकल्प है। यहां के विश्व प्रसिद्ध मंदिर और उनकी अद्भुत मूर्तिकला दुनियाभर के पर्यटकों को आकर्षित करती है। फरवरी में यहां का मौसम सुहावना रहता है, जिससे घूमना आसान और आनंददायक बन जाता है।

मनाली (हिमाचल प्रदेश): बर्फीली वादियों का आनंद लेना चाहते हैं तो मनाली की ट्रिप प्लान करें। फरवरी में यहां ताजा बर्फबारी देखने को मिल सकती है। रोहतांग पास के आसपास का दृश्य और कुल्लू–मनाली की पहाड़ियां सफेद चादर में ढकी नजर आती हैं, जो सैलानियों को बेहद आकर्षित करती हैं।

फरवरी का मौसम ट्रैवल के लिए परफेक्ट माना जाता है। भीड़ अपेक्षाकृत कम होती है और मौसम भी अनुकूल रहता है। तो देर किस बात की–अभी से अपनी पसंदीदा जगह चुनें और यादगार सफर की तैयारी शुरू कर दें।

सुविचार

साख बनाने में बीस साल लगते हैं और उसे गंवाने में बस पांच मिनट, अगर आप इस बारे में सोचेंगे तो आप चीजें अलग तरह से करेंगे।

कल का पंचांग

तिथि	अमावस्या	04:01-05:05 तक	**पक्ष**	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा	06:16-07:48 तक	**माह**	फाल्गुन
सूर्योदय		6:59 AM	**चन्द्रोदय**	06:11 AM
सूर्यास्त		6:07 PM	**चंद्रास्त**	05:08 PM
सूर्य राशि		कुंभ राशि	**चंद्र**	मकर राशि
शुभ मुहूर्त	12:08PM –12:50 PM		**ब्रह्म् मुहूर्त**	05:083-06:11
त्योहार/व्रत			**विक्रम संवत्**	2082
राहुकाल	04:43PM-06:06PM		**वार**	मंगलवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार केवल वही ग्रहण प्रभावी माना जाता है जो किसी स्थान विशेष पर दिखाई देता है। 17 फरवरी 2026 का यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा। इसलिए धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारत में इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा।

मंदिरों के कपाट बंद करने या विशेष नियमों का पालन करने की बाध्यता नहीं मानी जाएगी। हालांकि, कई श्रद्धालु हर सूर्य ग्रहण का सूतक मानते हैं, चाहे वह उनके क्षेत्र में दिखाई दे या नहीं। ऐसे लोग पारंपरिक नियमों का पालन करना उचित समझते हैं। यदि कोई श्रद्धालु इस ग्रहण का सूतक मानना चाहता है, तो भारतीय समय के अनुसार सूतक काल 17 फरवरी की सुबह 3 बजकर 26 मिनट से शुरू होकर शाम 7 बजकर 47 मिनट तक

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भारत में इसका सूतक काल मान्य नहीं होगा

रहेगा। सूतक के दौरान मन को शांत रखकर भगवान का स्मरण करना शुभ माना जाता है। मंत्र जाप और नाम स्मरण किया जा सकता है। मानसिक रूप से ध्यान और प्रार्थना करना लाभकारी माना जाता है। ग्रहण समाप्ति के बाद स्नान अवश्य करें। स्नान के बाद दान-पुण्य करना शुभ फलदायी माना गया है। मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और घर के मंदिर को ढक दिया जाता है (यदि सूतक मान रहे हों)। गर्भवती महिलाओं को ग्रहण और सूतक काल में नुकीली वस्तुओं का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

धार्मिक आस्था और व्यक्तिगत विश्वास के अनुसार ही सूतक का पालन किया जाता है। यदि ग्रहण आपके क्षेत्र में दृश्य नहीं है तो सूतक मानना अनिवार्य नहीं है, लेकिन श्रद्धा अनुसार नियमों का पालन किया जा सकता है।

नए साल का व्रत–त्योहार कैलेंडर

- 17 फरवरी, दिन मंगलवार: दर्श अमावस्या, फाल्गुन अमावस्या, पहली भौमवती अमावस्या
- 21 फरवरी, दिन शनिवार: ढुण्ढिराज चतुर्थी
- 27 फरवरी, दिन शुक्रवार: आमलकी एकादशी
- 1 मार्च, दिन रविवार: रवि प्रदोष व्रत
- 3 मार्च, दिन मंगलवार: फाल्गुन पूर्णिमा
- 4 मार्च, दिन बुधवार: होली
- 6 मार्च, दिन शुक्रवार: भालचन्द्र संकष्टी
- 15 मार्च, दिन रविवार: पापमोचनी एकादशी
- 16 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत
- 17 मार्च, दिन मंगलवार: चैत्र मासिक शिवरात्रि
- 19 मार्च, दिन बृहस्पतिवार: चैत्र अमावस्या, चैत्र नवरात्रि प्रारंभ
- 22 मार्च, दिन रविवार: वासुदेव चतुर्थी
- 26 मार्च, दिन गुरुवार: राम नवमी
- 29 मार्च, दिन रविवार: कामदा एकादशी
- 30 मार्च, दिन सोमवार: सोम प्रदोष व्रत

कुंभ राशि में शुभ संयोग, पांच राशियों को मिलेगा अचानक धन लाभ

यूनिक समय, मथुरा। वैदिक ज्योतिष के अनुसार जब ग्रह विशेष स्थिति में एक साथ आते हैं तो कई शुभ योगों का निर्माण होता है। वर्तमान समय में कुंभ राशि में सूर्य, बुध और शुक्र की विशेष युति से अत्यंत प्रभावशाली लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण हो रहा है। सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य योग बनता है, वहीं बुध और शुक्र की युति से लक्ष्मी नारायण योग बनता है। यह योग विशेष रूप से धन, सुख-सुविधा, व्यापारिक समझ और सामाजिक प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाला माना जाता है। कुंभ राशि शनि की राशि है और शनि, बुध व शुक्र दोनों के मित्र ग्रह माने जाते हैं। ऐसे में इन ग्रहों की स्थिति यहां अधिक सहज और प्रभावशाली हो जाती है। आइए जानते हैं किन राशियों को इस योग का सबसे अधिक लाभ मिलने वाला है।

मेष राशि– मेष राशि वालों के लिए यह योग एकादश भाव यानी आय स्थान में बन रहा है। यह भाव आमदनी, लाभ और इच्छाओं की पूर्ति से जुड़ा होता है। इस दौरान आय के नए स्त्रोत खुल सकते हैं। पुराने निवेश से बड़ा मुनाफा मिलने के संकेत हैं। शेयर बाजार, व्यापार या किसी साझेदारी से अचानक धन लाभ संभव है। बड़े भाई-बहनों और मित्रों का सहयोग करियर में नई उंचाइयों तक पहुंचा सकता है। लंबे समय से रुके हुए आर्थिक कार्य पूरे हो सकते हैं।

मिथुन राशि– मिथुन राशि के लिए यह योग नवम भाव यानी भाग्य स्थान में बन रहा है। यह समय भाग्यवृद्धि का संकेत दे रहा है। लंबी दूरी की यात्राएं सफल होंगी और विदेश से जुड़े कार्यों में लाभ मिल सकता है। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा या रिसर्च में सफलता मिल सकती है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। गुरुजनों का आशीर्वाद मिलेगा और रुके हुए काम स्वतः बनने लगेंगे।

तुला राशि– तुला राशि के जातकों के लिए यह योग पंचम भाव में बन रहा है, जो संतान, शिक्षा, प्रेम और रचनात्मकता का भाव है। कला, लेखन, संगीत, डिजाइन या मीडिया से जुड़े लोगों के लिए यह समय स्वर्णिम साबित हो सकता है। अचानक धन लाभ के प्रबल योग बन रहे हैं। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। संतान से जुड़ी कोई शुभ सूचना मिल सकती है।

कुंभ राशि – यह योग आपकी ही राशि यानी लग्न भाव में बन रहा है, इसलिए इसका सबसे अधिक प्रभाव आप पर पड़ेगा। आपके व्यक्तित्व में आकर्षण और आत्मविश्वास बढ़ेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा और अटके हुए कार्य तेजी से पूरे होंगे। करियर में नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं, जो भविष्य में लाभदायक साबित होंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और नई योजनाएं सफल होंगी।

वृषभ राशि– वृषभ राशि के लिए यह योग दशम भाव यानी कर्म स्थान में बन रहा है। नौकरी और व्यवसाय में बड़ी सफलता मिलने के संकेत हैं। पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापारियों को बड़े सौदे मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी बुद्धिमत्ता और निर्णय क्षमता की सराहना होगी। अचानक आर्थिक लाभ से आत्मविश्वास बढ़ेगा।

लक्ष्मी नारायण योग के मुख्य लाभ– व्यापार में वृद्धिः बुध बुद्धि और संवाद का कारक है, जिससे व्यापारिक निर्णय सटीक बैठेंगे। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरीः शुक्र भौतिक सुख-साधनों का कारक है, इसलिए नया वाहन, मकान या कीमती वस्तु खरीदने के योग बनते हैं। पारिवारिक खुशहालीः परिवार में उत्सव जैसा वातावरण रहेगा और रिश्तों में मधुरता आएगी। आर्थिक स्थिरताः अचानक धन लाभ और बचत में वृद्धि संभव है।

कल का राशिफल

मेष राशि : रोजगार में वृद्धि होगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शत्रु सक्रिय रहेंगे।

वृष राशि : फालतू खर्च होगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

मिथुन राशि : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। जोखिम न लें।

कर्क राशिः नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। मान–सम्मान मिलेगा। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

सिंह राशि : धर्म–कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बचें

कन्या राशि : जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला राशि : भ्रम की स्थिति बन सकती है। प्रेम–प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कानूनी अड़चन दूर होगी। भौतिक सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधी समस्या हल हो सकेगी।

वृश्चिक राशि : भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

धनु राशि : स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर राशि : कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का माहौल बन सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। किसी के भरोसे न रहकर अपना कार्य स्वयं करें।

कुंभ राशि : पुराना रोग उभर सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। रोजगार में वृद्धि होगी।

मीन राशि : पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। शुभ समाचार मिलेंगे। मान बढ़ेगा। प्रसन्नता रहेगी। मन में उत्साह रहेगा, जिससे कार्य की गति बढ़ेगी।

राजा शांतनु की अद्भुत शक्तियां: स्पर्श से उपचार और वरदान देने की क्षमता

यूनिक समय, मथुरा। महाभारत में वर्णित राजा शांतनु केवल हस्तिनापुर के प्रतापी शासक ही नहीं थे, बल्कि वे दिव्य शक्तियों से संपन्न माने जाते हैं। उनका जीवन कई अद्भुत घटनाओं से जुड़ा है। पौराणिक कथा के अनुसार इक्ष्वाकु वंश के महाभिष नामक राजा को ब्रह्मा के श्राप के कारण मृत्युलोक में जन्म लेना पड़ा। वही आगे चलकर राजा प्रतीप बने और उनके पुत्र के रूप में शांतनु का जन्म हुआ। राजा प्रतीप गंगा तट पर तपस्या कर रहे थे, तभी गंगा ने उनसे विवाह की इच्छा जताई। प्रतीप ने उन्हें पुत्रवधू के रूप में स्वीकार करने की बात कही। बाद में प्रतीप के पुत्र शांतनु का विवाह गंगा से हुआ। गंगा ने विवाह के समय शर्त रखी कि वे उनके किसी भी कार्य में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। गंगा ने सात पुत्रों को जन्म लेते ही नदी में प्रवाहित कर दिया, क्योंकि वे श्रापित वसु थे। आठवें पुत्र को बचाया गया, जो आगे चलकर भीष्म के

नाम से विख्यात हुए।

स्पर्श से रोग दूर करने की शक्ति– राजा शांतनु के पास अद्भुत स्पर्श शक्ति थी। मान्यता है कि वे जिस व्यक्ति को हाथ लगाते, उसके शारीरिक रोग दूर हो जाते थे और उसे मानसिक शांति प्राप्त होती थी। उनके नाम 'शांतनु' का अर्थ भी 'शांति प्रदान करने वाला' माना जाता है। उनके स्पर्श से लोगों को कष्टों से मुक्ति मिलती थी, जिससे वे प्रजा के बीच अत्यंत प्रिय थे।

वरदान देने की क्षमता– शांतनु में वरदान देने की दिव्य शक्ति भी थी। उन्होंने अपने पुत्र भीष्म को इच्छा मृत्यु का वरदान दिया था। इच्छा मृत्यु का अर्थ है कि व्यक्ति अपनी इच्छा से मृत्यु का समय चुन सकता है। यह वरदान अत्यंत दुर्लभ और दिव्य शक्ति का प्रतीक है। ऐसी शक्ति उसी राजा में संभव थी जो तप, सिद्धि और आध्यात्मिक बल से परिपूर्ण हो। गंगा के स्वर्ग लौट जाने के बाद शांतनु ने सत्यवती से विवाह किया। उनके प्रेम और परिवार के लिए भीष्म ने आजीवन ब्रह्मचर्य का व्रत लिया। इस प्रकार शांतनु का जीवन त्याग, प्रेम और दिव्य शक्तियों का अनूठा संगम था, जिसने महाभारत की कथा को नई दिशा दी।

सम्पादकीय

तबादला तंत्र की सफाई कब?

राजस्थान हाईकोर्ट की हालिया टिप्पणी–कि राजनेता तबादलों में व्यस्त हैं और बच्चों पर ध्यान नहीं–सिर्फ एक न्यायिक कटाक्ष नहीं, बल्कि प्रशासनिक गिरावट का आईना है। तबादले अपने आप में सामान्य प्रशासनिक प्रयिा हो सकते हैं, पर जब वे कारोबार का रूप ले लें तो समझना चाहिए कि तंत्र में गहरी सड़न प्रवेश कर चुकी है।

दशकों पहले भी यह प्रश्न उठाया गया था कि क्या मंत्री और विधायक का सबसे बड़ा काम तबादले करवाना रह गया है? समय बदला, सरकारें बदलीं, लेकिन तबादला संस्कृति का चरित्र बहुत नहीं बदला। आज भी कई विभागों में मनचाही पोस्टिंग के लिए दौड़–धूप, सिफारिश और लेन–देन की चर्चाएं आम हैं। जब जनप्रतिनिधि बिचौलियों की भूमिका में दिखें और अफसर "ऊपर" की आमदनी के अवसर तलाशें, तो भ्रष्टाचार धीरे–धीरे नियम जैसा बन जाता है।

पवन गौतम
संपादक

स्थिति तब और विडंबनापूर्ण हो जाती है जब कुछ कर्मचारी पदोन्नति से भी इसलिए कतराते हैं कि निचले पद पर रहते हुए अतिरिक्त कमाई के अवसर अधिक हैं। यह संकेत है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि पूरी संरचना की है। जब तक उच्च स्तर पर सफाई नहीं होगी, नीचे तक सुधार की उम्मीद व्यर्थ है। लोकशाही और नौकरशाही की मिलीभगत आम नागरिक को सबसे अधिक पीड़ा देती है। तहसील से सचिवालय तक फाइलों का घूमना, निर्णयों में देरी और लालफीताशाही–ये सब जनता के भरोसे को कमजोर करते हैं। प्रशासनिक सुधार आयोगों की रिपोर्टें आती रहती हैं, पर जमीन पर बदलाव नजर नहीं आता। अनुभवी लोगों का मानना है कि गिरावट ऊपर से शुरू होती है; शीर्ष स्तर पर जवाबदेही तय हो तो संदेश नीचे तक जाता है। जनता की मांग बहुत बड़ी नहीं है–रोजमर्रा के काम समय पर हों, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगे और शासन का आडंबर कम हो। यदि तबादलों में पारदर्शिता लाई जाए, स्पष्ट नीति बने और राजनीतिक हस्तक्षेप सीमित हो, तो व्यवस्था में भरोसा लौट सकता है। तबादला दंड या पुरस्कार का माध्यम नहीं, प्रशासनिक आवश्यकता होना चाहिए। जब तक इसे कमाई और प्रभाव के औजार की तरह इस्तेमाल किया जाएगा, तब तक सुशासन केवल नारा बना रहेगा। अब समय है कि सत्ता अपने ही तंत्र की सफाई करे–वरना जनता का धैर्य जवाब दे सकता है।

नजरिया

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन: वैचारिक मोड़ पर खड़ा लोकतंत्र

ललित गर्ग

संकेत है कि मतदाता लंबे समय से जारी अस्थिरता, अंतरिम व्यवस्थाओं और वैचारिक ध्रुवीकरण से उबरकर निर्णायक नेतृत्व चाहता है। पिछले डेढ़ वर्ष की अंतरिम व्यवस्था ने प्रशासनिक ढांचे को असमंजस में रखा। छात्र आंदोलनों से उभरी नई राजनीतिक शक्तियाँ अपेक्षित जनसमर्थन अर्जित नहीं कर सकीं। इससे स्पष्ट होता है कि जनता प्रयोगधर्मिता से आगे बढ़कर स्थिरता और संस्थागत मजबूती की ओर झुक रही है। किंतु यह स्थिरता किस प्रकार की होगी-उदार लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित या वैचारिक आग्रहों से संचालित-यह प्रश्न अभी भी खुला है। बांग्लादेश का जन्म 1971 के मुक्ति संग्राम से हुआ, जिसकी मूल भावना सामाजिक न्याय, समान अवसर और सांस्कृतिक-भाषाई पहचान की रक्षा थी। उस ऐतिहासिक संघर्ष में भारत की भूमिका केवल सैन्य सहयोग तक सीमित नहीं थी; वह मानवीय और सांस्कृतिक समर्थन का भी प्रतीक थी। आज जब बांग्लादेश नए राजनीतिक दौर में प्रवेश कर रहा है, तब यह स्मरण आवश्यक है कि उसकी राष्ट्रीय पहचान केवल धार्मिक आधार पर नहीं, बल्कि बहुलता और भाषाई अस्मिता पर निर्मित हुई थी।

नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती सामाजिक समरसता की पुनर्स्थापना होगी। बांग्लादेश का समाज विविधताओं से भरा है, और अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा लोकतांत्रिक विश्वसनीयता की कसौटी है। यदि चुनावी जीत को वैचारिक वर्चस्व या प्रतिशोध के रूप में प्रस्तुत किया गया, तो इससे सामाजिक ताने–बाने में दरारें गहरी हो सकती हैं। किंतु यदि इसे मेल-मिलाप और पुनर्निर्माण का अवसर माना गया, तो यह देश के लिए स्थिरता और विश्वास की नई शुरुआत बन सकता है।

आर्थिक परिप्रेक्ष्य में बांग्लादेश ने पिछले दशक में उल्लेखनीय प्रगति की थी। वस्त्र उद्योग, निर्यात वृद्धि और महिला सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में उसने वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सूक्ष्म वित्त और सामाजिक उद्यमिता ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। परंतु राजनीतिक अनिश्चितता और नीतिगत भ्रम ने निवेशकों के विश्वास को प्रभावित किया। अब नई सरकार के लिए अनिवार्य है कि वह आर्थिक सुधारों को गति दे, रोजगार सृजन को प्राथमिकता दे और पारदर्शी प्रशासन सुनिश्चित करे। केवल राष्ट्रवादी भाषणों से आर्थिक चुनौतियाँ दूर नहीं होंगी; इसके लिए दीर्घकालिक नीतिगत स्पष्टता और संस्थागत मजबूती आवश्यक है।

विदेश नीति के स्तर पर यह चुनाव विशेष महत्व रखता है। भारत–बांग्लादेश संबंध साझा इतिहास और सांस्कृतिक निकटता पर आधारित हैं। सीमा प्रबंधन, जल बंटवारा, व्यापार और सुरक्षा सहयोग जैसे मुद्दे दोनों देशों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हाल के वर्षों में पाकिस्तान के साथ बढ़ती निकटता और भारत के प्रति संदेहपूर्ण वक्तव्यों ने संबंधों में तनाव उत्पन्न किया। यदि नई सरकार संतुलित और व्यावहारिक कूटनीति अपनाती है, तो दक्षिण एशिया में स्थिरता का नया अध्याय शुरू हो सकता है।

दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति भी बांग्लादेश के लिए चुनौती और अवसर दोनों प्रस्तुत करती है। चीन की आर्थिक उपस्थिति, अमेरिका की रणनीतिक रुचि और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन की जटिलताओं के बीच बांग्लादेश को संतुलन साधना होगा। विदेश नीति को घरेलू राजनीति का विस्तार बना देना दीर्घकालिक अस्थिरता को जन्म दे सकता है। राष्ट्रीय हित को सर्वोपरि रखते हुए बहुआयामी और संतुलित कूटनीति ही विवेकपूर्ण विकल्प होगा।

लोकतांत्रिक दृष्टि से भी यह चुनाव महत्वपूर्ण है। बहुमत प्राप्त करना लोकतंत्र की पहली शर्त है, अंतिम नहीं। संस्थाओं की मजबूती, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और मीडिया की स्वायत्तता लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती हैं। यदि विपक्ष को हाशिये पर धकेला गया या असहमति को देशविरोध करार दिया गया, तो लोकतांत्रिक ऊर्जा क्षीण हो जाएगी। स्थिरता और स्वतंत्रता के बीच संतुलन ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। बांग्लादेश के लिए यह आत्ममंथन का क्षण भी है। क्या वह अपनी पहचान को संकीर्ण राष्ट्रवाद तक सीमित करेगा, या भाषा, संस्कृति और बहुलता की उस विरासत को आगे बढ़ाएगा जिसने उसे जन्म दिया? मुक्ति संग्राम की मूल भावना समावेशी राष्ट्र–निर्माण की थी। यदि नई सरकार उस भावना को पुनर्जीवित करती है, तो यह जनादेश ऐतिहासिक सिद्ध हो सकता है। भारत की दृष्टि से भी यह समय धैर्य और परिपक्वता का है। नई दिल्ली को बांग्लादेश की संप्रभुता और जनादेश का सम्मान करते हुए सहयोग का हाथ बढ़ाना चाहिए। सीमा पार सुरक्षा चुनौतियों के साथ-साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संवाद को भी सुदृढ़ करना आवश्यक है। भावनात्मक प्रतिक्रियाओं के बजाय व्यावहारिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण दोनों देशों के हित में होगा। अंततः यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि शासन शैली और राष्ट्रीय दिशा का निर्धारण है। यदि नई सत्ता समावेशी विकास, पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता देती है, तो बांग्लादेश स्थिरता और समृद्धि की ओर अग्रसर हो सकता है। परंतु यदि वह वैचारिक आग्रहों और अतीत की कटु स्मृतियों में उलझी रही, तो यह जनादेश भी अधूरी संभावना बन सकता है।

विचार विण्डो

सड़क किनारे पौधों की सुरक्षा: जिम्मेदारी और जागरूकता का सवाल

विपिन कुमार

सड़क किनारे लगाए जाने वाले पौधे केवल सौंदर्य वृद्धि का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे वायु प्रदूषण को कम करते हैं, तापमान संतुलित रखते हैं, धूल को रोकते हैं और राहगीरों को छाया प्रदान करते हैं। तेजी से बढ़ते शहरीकरण और सड़कों के विस्तार के बीच पौधरोपण अभियान तो बड़े उत्साह से चलाए जाते हैं, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती उनके संरक्षण और नियमित देखभाल की होती है। यही कारण है कि लगाए गए अनेक पौधे शुरुआती अवस्था में ही नष्ट हो जाते हैं।

सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि पौधरोपण केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि दीर्घकालिक जिम्मेदारी है। अक्सर देखा गया है कि किसी विशेष अवसर पर या अभियान के तहत बड़ी संख्या में पौधे लगा दिए जाते हैं, लेकिन कुछ ही महीनों में वे सूख जाते हैं या पशुओं और वाहनों की चपेट में आकर नष्ट हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण है-सुरक्षा और रखरखाव की कमी। यदि पौधों के चारों ओर प्रारंभ से ही मजबूत ट्री गार्ड लगाए जाएं, तो उन्हें पशुओं से काफी हद तक बचाया जा सकता है। लोहे के ट्री गार्ड अधिक टिकाऊ होते हैं, हालांकि स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार बांस या लकड़ी के विकल्प भी अपनाए जा सकते हैं।

विशेष रूप से हाईवे और व्यस्त सड़कों के किनारे लगे पौधों के लिए मजबूत घेराबंदी अनिवार्य है। खुले में छोड़े गए पशु अक्सर उनकी पत्तियां खा लेते हैं, जिससे पौधे विकसित होने से पहले ही समाप्त हो जाते हैं। यदि शुरुआती दो-तीन वर्षों तक पौधों को पर्याप्त सुरक्षा मिल जाए, तो वे स्वयं मजबूत होकर प्राकृतिक परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं। इसलिए शुरुआती चरण में सुरक्षा कवच और निगरानी अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा के साथ-साथ नियमित सिंचाई और खाद की व्यवस्था भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। खासकर गर्मियों में पानी की कमी के कारण अधिकांश पौधे सूख जाते हैं। स्थानीय निकायों-जैसे नगर निगम, नगर पालिका या ग्राम पंचायत–को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जिन क्षेत्रों में पौधरोपण किया गया है, वहां नियमित रूप से पानी उपलब्ध हो। ड्रिप सिंचाई या टैंकर व्यवस्था जैसे विकल्पों पर भी विचार किया जा सकता है। सड़क निर्माण या विस्तार करने वाली एजेंसियों को भी पौधरोपण के साथ–साथ उनके रखरखाव की जिम्मेदारी स्पष्ट रूप से सौंपी जानी चाहिए। कानूनी और प्रशासनिक स्तर पर भी सख्ती जरूरी है। पौधों को नुकसान पहुंचाने वालों पर जुर्माना लगाने के स्पष्ट नियम बनाए जाएं। यदि कोई वाहन चालक या अन्य व्यक्ति जानबूझकर पौधों को क्षति पहुंचाता है, तो उस पर दंडात्मक कार्रवाई हो। निगरानी तंत्र सक्रिय रखा जाए और समय-समय पर निरीक्षण किया जाए। जब तक जिम्मेदारी तय नहीं होगी और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक हरियाली सुरक्षित नहीं रह पाएगी। हालांकि यह जिम्मेदारी केवल प्रशासन की नहीं है। समाज की भागीदारी के बिना कोई भी अभियान सफल नहीं हो सकता। स्थानीय नागरिकों, सामाजिक संगठनों, स्कूलों और व्यापारिक संस्थानों को 'एक पौधा गोद लें' जैसे अभियानों से जोड़ा जा सकता है। यदि प्रत्येक परिवार या संस्था अपने आसपास लगे एक या दो पौधों की जिम्मेदारी ले ले, तो संरक्षण का कार्य काफी आसान हो सकता है। इससे न केवल पौधों की देखभाल सुनिश्चित होगी, बल्कि लोगों में पर्यावरण के प्रति भावनात्मक जुड़ाव भी बढ़ेगा।

पौधे वास्तव में शहरों के 'जीवित प्रहरी' हैं। वे केवल छाया नहीं देते, बल्कि जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाते हैं। प्रदूषण के बढ़ते स्तर और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच हर एक पौधा महत्वपूर्ण है। इसलिए पौधरोपण के उत्सव से आगे बढ़कर संरक्षण की संस्कृति विकसित करनी होगी। रखरखाव के बिना पौधरोपण केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा।

अंततः सड़क किनारे पौधों की सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। मजबूत ट्री गार्ड, नियमित सिंचाई, प्रशासनिक सख्ती और सामाजिक भागीदारी–इन चार स्तंभों पर ही हरियाली का भविष्य टिकेगा। यदि हम आज इन पौधों की रक्षा करेंगे, तो कल यही पेड़ हमारे शहरों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाएंगे।

प्रशंसकों ने तोड़े टीवी; सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो

भारत से हार के बाद पाकिस्तान में फूटा गुस्सा

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 विश्व कप में भारत से मिली करारी शिकस्त के बाद पाकिस्तान में निराशा और गुस्से का माहौल देखने को मिला।

मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। ईशान किशन के अर्धशतक और मध्यक्रम के उपयोगी योगदान से टीम ने मजबूत स्कोर खड़ा किया। पारी की शुरुआत संभलकर हुई, लेकिन बीच के ओवरों में भारतीय बल्लेबाजों ने रनगति तेज कर दी। आखिरी ओवरों में तेज रन बनाकर भारत ने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा कर दिया।

जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत खराब रही। शुरुआती विकेट जल्दी गिरने से टीम दबाव में आ गई। भारतीय गेंदबाजों ने सधी हुई लाइन और लेंथ से बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। लगातार अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पूरी टीम 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। भारत ने 61 रनों से जीत दर्ज की, जो टी20 विश्व कप में पाकिस्तान पर उसकी सबसे बड़ी जीतों में से एक मानी जा रही है। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपना दबदबा भी कायम रखा।

हार के बाद पाकिस्तान के कई शहरों से निराशा भरे दृश्य सामने आए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ प्रशंसक गुस्से में टीवी तोड़ते दिखाई दिए। एक प्रशंसक ने हार पर दुख जताते हुए अपना वीडियो साझा किया, जिसमें वह भावुक और नाराज नजर आया। इन घटनाओं ने दिखाया कि मुकाबले को लेकर प्रशंसकों की भावनाएं कितनी गहरी थीं।

स्टेडियम के बाहर भी पाकिस्तानी समर्थक मायूस दिखे। कई लोगों का कहना था कि टीम बड़े मुकाबलों में दबाव झेलने में असफल रहती है। कुछ प्रशंसकों ने भारतीय गेंदबाजों की तारीफ करते हुए माना कि उनकी टीम के पास ठोस जवाब नहीं था। उनका मानना था कि बल्लेबाजी क्रम में स्थिरता की कमी साफ दिखाई दी। टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान का रिकॉर्ड लगातार खराब होता जा रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए नौ मुकाबलों में से आठ में भारत ने जीत दर्ज की है। हाल के वर्षों में यह अंतर और बढ़ा है। लगातार हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में बदलाव, टीम संयोजन और रणनीति को लेकर बहस तेज हो गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि टीम को मानसिक मजबूती और संतुलित प्रदर्शन पर काम करने की जरूरत है।

सादगी में दिखी खास झलक

एयरपोर्ट पर विराट संग अनुष्का का पारंपरिक अंदाज चर्चा में

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर उस वक्त सभी की नजरें ठहर गईं जब अनुष्का शर्मा और विराट कोहली साथ नजर आए।

लंबे समय से फिल्मों से दूर चल रहीं अनुष्का भले ही बड़े पर्दे पर कम दिखती हों, लेकिन उनकी सार्वजनिक मौजूदगी अक्सर सुर्खियां बटोर लेती है। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ।

एयरपोर्ट पर दोनों का अंदाज बेहद सादगी भरा, लेकिन आकर्षक था। विराट ने बेज रंग की शर्ट के साथ ब्लैक ट्राउजर और सनग्लास पहन रखे थे, जिससे उनका लुक सेमी–फॉर्मल और स्मार्ट नजर आ रहा था। वहीं अनुष्का ने सफेद फ्लोरल प्रिंट सूट और मैचिंग दुपट्टे के साथ पारंपरिक रूप अपनाया। उनके गले में तुलसी की माला और माथे पर सजी बिंदी ने पूरे लुक को खास बना दिया। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में विराट को अनुष्का का हैंडबैग संभालते देखा गया, जिसने फैंस का दिल जीत लिया। यूजर्स ने कमेंट करते हुए कपल की सादगी और आपसी समझ की तारीफ की। कुछ लोगों ने अंदाजा लगाया कि दोनों शायद किसी धार्मिक स्थल की यात्रा पर जा रहे हैं। विराट और अनुष्का की जोड़ी लंबे समय से फैंस की पसंदीदा रही है। 2017 में शादी के बाद से दोनों निजी जीवन को लेकर सतर्क रहते हैं, लेकिन जब भी साथ दिखते हैं, उनकी सहज केमिस्ट्री लोगों का ध्यान खींच लेती है। इस बार भी उनका सादा और पारंपरिक अंदाज चर्चा का विषय बन गया है।

मैच के बीच नकवी के जाने का वीडियो वायरल

भारत की बढ़त, पाकिस्तान की निराशा

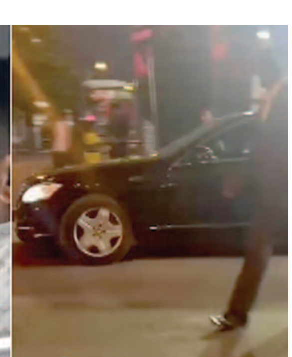

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान पर 61 रन से बड़ी जीत दर्ज की। हाई–वोल्टेज मुकाबले से पहले काफी बयानबाज़ी और चर्चा रही, लेकिन मैदान पर भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरी तरह हावी रहा। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई।

पाकिस्तानी पारी के दौरान 12वें ओवर में मोहम्मद नवाज का विकेट गिरने के बाद स्कोर 77/5 हो गया था और मैच भारत की पकड़ में जाता दिखा। इसी दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी को स्टेडियम से बाहर जाते हुए कैमरों में कैद किया गया। मैच समाप्त होने से पहले उनके रवाना होने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस पर अलग–अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आईं। मैच में भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से दबाव बनाए रखा। नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे और पाकिस्तान की बल्लेबाजी लय नहीं पकड़ सकी। स्पिन और तेज गेंदबाजी के संयोजन ने लक्ष्य को मुश्किल बना दिया।

भारत–पाकिस्तान मुकाबले हमेशा भावनाओं से जुड़े होते हैं, लेकिन इस बार भी नतीजा एकतरफा रहा। मैच से पहले का शोर भले ज्यादा रहा हो, अंत में प्रदर्शन ने ही अंतर पैदा किया।

आदियोगी में महाशिवरात्रि पर भक्ति में डूबे फिल्मी सितारे

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तमिलनाडु के कोयंबटूर स्थित ईशा योग केंद्र में भव्य आयोजन हुआ, जहां अनेक फिल्मी हस्तियां भगवान शिव की आराधना में लीन नजर आईं। इस अवसर पर तमन्ना भाटिया, सारा अर्जुन, श्रीनिधि शेट्टी और मौनी रॉय सहित कई कलाकारों ने भाग लिया। आदियोगी की विशाल प्रतिमा के समक्ष आयोजित कार्यक्रम में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। सारा अर्जुन ने सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यहां आकर वह स्वयं को अत्यंत धन्य और आभारी महसूस कर रही हैं।

तमन्ना भाटिया महिलाओं के समूह के साथ भक्ति गीतों पर झूमती नजर आईं। उन्होंने कहा कि इस पवित्र रात्रि में जागरण का सबसे सुंदर तरीका है भक्ति में डूब जाना। श्रीनिधि शेट्टी ने भी इस पर्व को वर्ष की सबसे विशेष रात्रि बताया। मौनी रॉय ने इस आयोजन को भावुक और आध्यात्मिक अनुभव कहा। भक्ति, संगीत और श्रद्धा से भरे इस आयोजन ने सभी को आंतरिक शांति और आनंद का अनुभव कराया।

ऋषि कपूर संग डेब्यू से टीवी की 'चालाक बहू' तक: क्यों अचानक दूर हुईं शोमा आनंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा और टीवी की जानी–मानी अभिनेत्री शोमा आनंद ने अपने करियर की शुरुआत बड़े सपनों के साथ की थी। उनका असली नाम नीलम अरोड़ा है, लेकिन दर्शकों ने उन्हें शोमा आनंद के नाम से ही पहचान दी। उन्होंने 1976 में आई फिल्म बारूद से बॉलीवुड में कदम रखा, जिसमें उनके साथ दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर मुख्य भूमिका में थे। पहली ही फिल्म से शोमा ने दर्शकों का ध्यान खींचा, लेकिन बतौर लीड एक्ट्रेस उनका सफर लंबा नहीं चला।

समय के साथ उन्हें मुख्य भूमिकाओं के बजाय सहायक और नकारात्मक किरदार मिलने लगे। हालांकि, यही किरदार उनकी पहचान बन गए। 'घर एक मंदिर', स्वर्ग से सुंदर, 'जैसी करनी वैसी भरनी' और बड़े घर की बेटी जैसी फिल्मों में उन्होंने तेज–तर्रार, जिद्दी और चालाक महिला के रोल निभाए, जिन्हें दर्शकों ने खूब पसंद किया। बड़े पर्दे के बाद उन्होंने टीवी का रुख किया और यहां भी अपनी छाप छोड़ी। खासतौर पर मशहूर शो हम पाँच में उनकी भूमिका को आज भी याद किया जाता है। इसके अलावा 'शरारत' और 'जिनी और जूजू' जैसे धारावाहिकों में भी उन्होंने काम किया। निजी जीवन में उन्होंने निर्देशक तारिक शाह से शादी की थी। 2021 में पति के निधन के बाद शोमा आनंद ने अभिनय से दूरी बना ली। उन्होंने परिवार और बेटी के साथ समय बिताने को प्राथमिकता दी। आज भले ही वह स्क्रीन से दूर हों, लेकिन उनके निभाए किरदार अब भी दर्शकों के दिलों में जिंदा हैं।

दिल दहला देने वाली घटना

रिटायर्ड फौजी ने पत्नी-बेटे की हत्या कर खुद दी जान

यूनिक समय, कानपुर। जिले के सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सनसनीखेज घटना सामने आई। बखरिया गांव निवासी रिटायर्ड फौजी चेतराम पासवान ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक से पत्नी सुनीता और बेटे दीप को गोली मार दी। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घर के बाहर इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसी बीच पुलिस को इमलीपुर रेलवे अंडरपास के पास ट्रेन से कटा एक शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने आधार कार्ड के जरिए शव की पहचान चेतराम पासवान के रूप में की। माना जा रहा है कि पत्नी और बेटे की हत्या के बाद वह बाइक से करीब दो किलोमीटर दूर रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। जब पुलिस मृतक के घर पहुंची तो दरवाजा खुला मिला और अंदर पत्नी व बेटे के शव पड़े थे। घटनास्थल से लाइसेंसी बंदूक बरामद की गई। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए और तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। प्राथमिक जांच में पारिवारिक विवाद की आशंका जताई जा रही है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर विपिन टाडा ने मौके पर पहुंचकर जांच के निर्देश दिए। घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस विस्तृत जांच में जुटी है।

18 जिलों की कचहरियों को बम से उड़ाने की धमकी, अलर्ट जारी

यूनिक समय, लखनऊ। प्रदेश के 18 जिलों की कचहरियों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद हड़कंप मच गया। धमकी मिलते ही संबंधित जिलों में पुलिस और बम निरोधक दस्तों को अलर्ट कर दिया गया। सभी अदालत परिसरों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है और प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने एहतियातन अदालत परिसर में आने-जाने वालों की जांच बढ़ा दी है। संदिग्ध वस्तुओं की तलाश के लिए डॉग स्क्वॉड और बम डिस्पोजल टीमों को तैनात किया गया है। फिलहाल किसी भी परिसर से संदिग्ध सामग्री मिलने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस के अनुसार धमकी ईमेल या कॉल के जरिए दी गई है, जिसकी तकनीकी जांच की जा रही है। साइबर सेल की टीम संदेश के स्रोत का पता लगाने में जुटी है। अधिकारियों ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और शांति बनाए रखने की अपील की है। सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रतापगढ़ में जज समेत तीन घरों में 38 लाख की चोरी

यूनिक समय, प्रतापगढ़। जनपद के गोंडे गांव में बीती रात चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए एक साथ तीन घरों को निशाना बनाया। इस वारदात में करीब 38 लाख रुपये के जेवर और नकदी चोरी होने से इलाके में हड़कंप मच गया। जिन घरों में चोरी हुई, उनमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज राजीव सिंह का आवास भी शामिल है।

जानकारी के अनुसार, चोर घरों के पिछले हिस्से से सुनियोजित तरीके से अंदर घुसे। जज राजीव सिंह के घर से लगभग 25 लाख रुपये की चोरी बताई जा रही है। वहीं ग्रामीण विवेक सिंह के घर से करीब तीन लाख रुपये और प्रह्लाद सिंह के घर से करीब 11 लाख रुपये के जेवर व नकदी पर हाथ साफ किया गया। प्रह्लाद सिंह के परिवार में 24 फरवरी को शादी होनी थी। शादी की तैयारियों के लिए रखे गए गहने और नगदी चोरी होने से खुशियां मातम में बदल गईं। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में संदिग्ध लोग घरों में घुसते और सामान लेकर भागते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस ने सीसीटीवी रिकॉर्डिंग कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही नगर कोतवाली पुलिस, डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। मामला दर्ज कर लिया गया है और कई टीमें आरोपियों की तलाश में जुटी हैं।

पीएम मोदी की जनसभा की तैयारियां तेज, 1200 पुलिसकर्मी तैनात

यूनिक समय, मेरठ। पीएम मोदी की 22 फरवरी को प्रस्तावित मेरठ जनसभा को लेकर मोहिउद्दीनपुर में तैयारियां अंतिम चरण में हैं। सभा स्थल पर अत्याधुनिक जर्मन हैंगर का लगभग 90 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है और सोमवार से मुख्य मंच का निर्माण शुरू होगा।

करीब 200 कर्मचारी दिन-रात व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुटे हैं। प्रधानमंत्री यहां से मेरठ मेट्रो, नमो भारत ट्रेन सहित गंगा एक्सप्रेस-वे और जेवर एयरपोर्ट जैसी परियोजनाओं का जिक्र कर विकास का संदेश देंगे। सुरक्षा के लिए 1200 से अधिक पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड जांच अभियान चलाएंगे, जबकि एसपीजी टीम भी सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी।

प्रदेश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त नवदीप रिणवा का ऐलान

10 अप्रैल को आएगी अंतिम मतदाता सूची

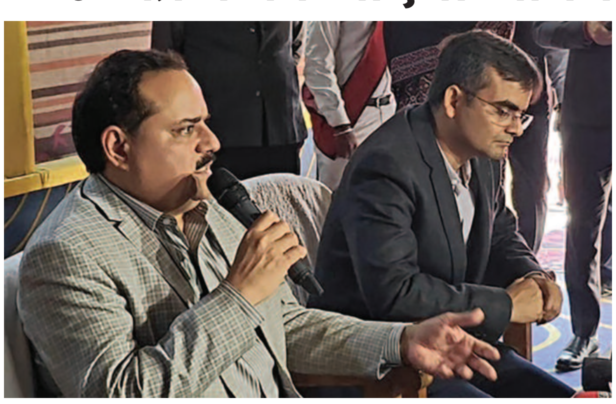

यूनिक समय, लखनऊ। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त नवदीप रिणवा ने घोषणा की कि 10 अप्रैल को प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। यह सूची आगामी चुनावों के लिए स्थायी और आधिकारिक दस्तावेज के रूप में उपयोग की जाएगी।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत दावे और आपत्तियों की सुनवाई जारी है। कबीर चौराहा स्थित कंपोजिट विद्यालय (एबीआरसी) में चल रही सुनवाई प्रक्रिया का निरीक्षण कर पारदर्शिता, समयबद्धता और व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। इसके बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उनके सुझाव भी लिए गए। रिणवा ने कहा कि प्रदेश भर से आए लगभग 500 बीएलओ और सुपरवाइजरों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है, जिसमें फील्ड की चुनौतियों और सुधार के उपायों पर चर्चा होगी।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित भी किया जाएगा। राज्यमंत्री रविंद्र जायसवाल द्वारा दिए गए आरोपों पर उन्होंने बताया कि 4500 वोटों के सत्यापन में केवल 8 डुप्लीकेट पाए गए हैं। जानबूझकर गड़बड़ी पाए जाने पर ही कार्रवाई की जाएगी।

भ्रष्टाचार : महोबा में जल जीवन मिशन की टंकी टेस्टिंग के अगले दिन फटी

यूनिक समय, महोबा। जिले में जल जीवन मिशन के तहत बनी एक पानी की टंकी टेस्टिंग के अगले ही दिन फट गई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मामला जैतपुर विकासखंड के नगारा डांग गांव का है, जहां वर्ष 2025 में घर-घर जलापूर्ति के उद्देश्य से टंकी का निर्माण कराया गया था।

जानकारी के अनुसार 13 फरवरी को टंकी की टेस्टिंग के लिए पाइपलाइन के माध्यम से पानी भरा गया था, लेकिन अगले ही दिन टंकी में दरार आ गई और पानी नीचे गिरने लगा। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण में मानकों की अनदेखी की गई और घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ, जिसके चलते टंकी पानी का दबाव नहीं झेल सकी। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है और वे निर्माण कार्य की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। पिछले महीने भी जल जीवन मिशन में कथित अनियमितताओं को लेकर जनप्रतिनिधियों ने सवाल उठाए थे। अब प्रशासन पर जिम्मेदारी तय करने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव बढ़ गया है। यदि समय रहते जांच नहीं हुई तो ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की योजना प्रभावित हो सकती है।

युवक की गोली मारकर हत्या, आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को दौड़ाया

यूनिक समय, गोरखपुर। चिलुआताल थाना क्षेत्र स्थित तेनुहिया गांव में रविवार शाम 22 वर्षीय अरुण निषाद की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में तनाव फैल गया और मौके पर पहुंची पुलिस से ग्रामीणों की झड़प हो गई। आक्रोशित लोगों ने पुलिसकर्मियों को दौड़ा लिया, जिससे उन्हें बाइक और डायरी छोड़कर पीछे हटना पड़ा।

जानकारी के मुताबिक अरुण पेंट-पॉलिश का काम करता था। उसके पिता भोला निषाद ने तहरीर में आरोप लगाया कि रविवार शाम करीब चार बजे विशाल नामक युवक घर आया और अरुण को बुलाकर ले गया। आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते विशाल ने अपने साथी देवेंद्र और पांच-छह अन्य युवकों के साथ मिलकर अरुण को गोली मार दी।

घटना के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने गोरखपुर-महराजगंज मार्ग जाम कर दिया। पुलिस ने समझाइश देकर जाम खुलवाया। मामले में विशाल, देवेंद्र समेत आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नाबालिग से मारपीट: छेड़छाड़ के विरोध पर पिता-पुत्र का हमला

यूनिक समय, कानपुर। गुजैनी थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय किशोरी के साथ कथित छेड़छाड़ का विरोध करने पर दबंग पिता-पुत्र द्वारा मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 13 फरवरी दोपहर की बताई जा रही है, जिसका 21 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज अब सामने आया है। वीडियो में आरोपी युवक और उसका पिता किशोरी को घर से घसीटकर बाहर लाते और सड़क पर पटकते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि पिता ने इंटरलॉकिंग ईंट उठाकर उसका सिर फोड़ने की कोशिश की, हालांकि शोर सुनकर पहुंचे लोगों को देख दोनों मौके से फरार हो गए।

पीड़िता की मां के अनुसार, उनका पति ट्रक ड्राइवर है और अधिकतर समय बाहर रहता है। पड़ोस में रहने वाला युवक लंबे समय से उनकी बेटी पर अभद्र टिप्पणियां करता और छेड़छाड़ की कोशिश करता था। इसकी शिकायत पहले आरोपी के पिता से की गई थी, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। 13 फरवरी को मां छत पर थीं, तभी युवक घर में घुस आया और कथित तौर पर गलत हरकत करने लगा।

विरोध और शोर मचाने पर उसका पिता भी घर में घुस आया और दोनों ने मिलकर किशोरी को बाहर घसीट लिया। हमले में किशोरी के पैर में गंभीर चोट आई है। मामले में शिकायत दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की बात कही है।

जमीन पर कब्जे से परेशान दो भाइयों ने किया आत्मदाह का प्रयास

यूनिक समय, कानपुर। सोमवार सुबह करीब 10 बजे कानपुर के कलेक्ट्रेट परिसर में उस समय अफरातफरी मच गई, जब दो भाइयों ने अपने ऊपर डीजल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों को पकड़ लिया और उनके हाथ से डीजल की बोतल छीन ली, जिससे बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी।

पूछताछ में उनकी पहचान पदम सिंह और मोती सिंह के रूप में हुई है। दोनों नौबस्ता स्थित आवास विकास क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं, जबकि उनका मूल निवास कानपुर देहात के मैथा क्षेत्र में है। भाइयों का आरोप है कि नौबस्ता में उनकी जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर लिया है। इस संबंध में उन्होंने कई बार स्थानीय अधिकारियों से शिकायत की और मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। लगातार अनदेखी और कथित प्रशासनिक उदासीनता से परेशान होकर उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में आत्मदाह जैसा कदम उठाने की कोशिश की। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जमीन कब्जे से जुड़े आरोपों की भी पड़ताल होगी। फिलहाल दोनों को हिरासत में रखकर उनसे विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

सार संक्षेप

21 साल पुराना केस सुलझा

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 2004 के एक बहुचर्चित हत्या मामले को सुलझा लिया है। नांगलोई इलाके में नाबालिग लड़की की हत्या के आरोपी को बिहार के बांका से गिरफ्तार किया गया। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस के अनुसार तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया सूचना के आधार पर गिरफ्तारी संभव हो सकी।

अहमदाबाद स्कूलों को धमकी भरे मेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। अहमदाबाद के कई स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि मेल में देश विरोधी बातें भी लिखी गई थीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने स्कूल परिसरों की जांच शुरू कर दी। एहतियातन छात्रों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। अब तक कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली है।

अमरावती में बिल गेट्स का स्वागत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के अमरावती में मंत्री नारा लोकेश ने बिल गेट्स का स्वागत किया। बैठक में प्रौद्योगिकी, शिक्षा और नवाचार पर चर्चा हुई। राज्य में निवेश और डिजिटल विकास को लेकर भी बातचीत की गई। इस मुलाकात को प्रदेश के लिए अहम माना जा रहा है।

दिल्ली में शुरू हुआ एआई समिट

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आज से एआई समिट की शुरुआत हुई। कार्यक्रम 20 फरवरी तक चलेगा। इसमें 50 से अधिक देशों के प्रतिनिधि, वैश्विक टेक कंपनियों के सीईओ और विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मेगा एक्सपो का उद्घाटन करेंगे। आयोजन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य पर मंथन होगा।

डेनमार्क में 2000 साल पुराना मंदिर मिला, रोमन युग से जुड़ाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। खुदाई में डेनमार्क के हेडेगार्ड क्षेत्र में करीब 2,000 वर्ष पुराना आयरन एज मंदिर और किलेबंद बस्ती मिली है। स्कजर्न नदी के पास स्थित यह स्थल ईसा मसीह के जन्मकाल का माना जा रहा है। 15.16 मीटर के इस मंदिर में अग्निकुंड और लकड़ी की संरचना मिली। विशेषज्ञों के अनुसार, किलेबंदी रोमन साम्राज्य के विस्तार के दबाव से जुड़ी हो सकती है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के तीन शूटर गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली के बवाना इलाके में दिल्ली पुलिस और लॉरेंस बिश्नोई गैंग के शूटरों के बीच मुठभेड़ हुई। बवाना मुल्क नहर के पास हुई कार्रवाई में दोनों ओर से चार राउंड फायरिंग हुई, जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी। पुलिस ने तीन वांटेड शूटरों को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इन्होंने तीन दिन पहले एक कारोबारी की हत्या की थी।

भिवाड़ी में केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

आठ मजदूर जिंदा जले

यूनिक समय, नई दिल्ली। राजस्थान के भिवाड़ी से सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई, जहां खुशखेड़ा करौली इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में भीषण आग लगने से आठ मजदूरों की जलकर मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 9:30 बजे हुआ, उस समय फैक्ट्री में लगभग 25 कर्मचारी काम कर रहे थे। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री में केमिकल के साथ पटाखों का निर्माण भी किया जाता था, जिससे आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया।

सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंचीं। एडीएम सुमिता मिश्रा ने बताया कि गश्त के दौरान घटना की जानकारी मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। खुशखेड़ा और भिवाड़ी रीको फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां बुलवाई गईं। करीब डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हादसा इतना भीषण था कि कई शव पूरी तरह जल चुके थे और कुछ स्थानों पर केवल कंकाल एवं शरीर के अंगों के अवशेष ही मिले। रेस्क्यू टीम ने मानव अवशेषों को प्लास्टिक बैग में एकत्र कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। अभी भी दो मजदूरों के अंदर फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल पर तिजारा डीएसपी शिवराज सिंह मौजूद हैं और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। फैक्ट्री मालिक राजेंद्र के खिलाफ भी जांच की जा रही है। प्रशासन ने हादसे के कारणों की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

सुप्रीम कोर्ट से अबू सलेम को झटका, रिहाई याचिका खारिज

यूनिक समय, नई दिल्ली। 1993 के 1993 बॉम्बे बम ब्लास्ट मामले में दोषी गैंगस्टर अबू सलेम को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उसकी अग्रिम रिहाई की याचिका खारिज कर दी। इससे पहले 10 दिन पूर्व बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी उसकी जमानत याचिका ठुकरा दी थी।

अबू सलेम ने दलील दी थी कि पुर्तगाल से प्रत्यर्पण समझौते के अनुसार उसकी सजा 25 वर्ष से अधिक नहीं हो सकती और वह यह अवधि पूरी कर चुका है। हालांकि, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि उसे टाडा के तहत सजा मिली है और सजा की गणना से जुड़े मुद्दों पर हाई कोर्ट ही विचार करेगा। कोर्ट ने अंतरिम जमानत या शीघ्र सुनवाई के लिए हाई कोर्ट जाने की सलाह दी।

इससे पहले 10 दिन पूर्व बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी उसकी जमानत याचिका ठुकरा दी थी

हाल ही में बॉम्बे हाई कोर्ट ने उसकी इमरजेंसी पैरोल याचिका भी खारिज की थी। वह अपने भाई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आजमगढ़ जाना चाहता था, लेकिन 17.60 लाख रुपये के पुलिस एस्कॉर्ट शुल्क का भुगतान न कर पाने के कारण राहत नहीं मिल सकी। अबू सलेम को 2005 में पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था और वह मुंबई धमाकों में भूमिका के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है।

सदन चलाने में राहुल गांधी की नहीं है दिलचस्पी : किरन रिज्जू

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरन रिज्जू ने लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। अरुणाचल प्रदेश के तवांग में एक इंटरव्यू के दौरान रिजिजू ने कहा कि राहुल गांधी को संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने में कोई रुचि नहीं है, बल्कि वे केवल मुद्दे बनाने और सदन को बाधित करने में दिलचस्पी रखते हैं।

रिजिजू ने आरोप लगाया कि कुछ गैर-सरकारी संगठनों ने राहुल गांधी को यह विश्वास दिलाया है कि उनकी पार्टी के "अच्छे दिन" आने वाले हैं, लेकिन ऐसा नहीं होगा। उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की सीटें और कम हो सकती हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार ने स्थिति सामान्य करने के लिए कांग्रेस नेताओं, जिनमें केसी वेनूगोपाल भी शामिल हैं, से बातचीत की, लेकिन अब कांग्रेस को मनाने के लिए कोई अतिरिक्त प्रयास नहीं किए जाएंगे। उनके मुताबिक कांग्रेस लगातार चुनावी हार से हताश है और सदन में व्यवधान पैदा कर रही है। रिजिजू ने यह भी कहा कि पूरा विपक्ष कांग्रेस के साथ नहीं है और छोटी पार्टियां सदन में बोलने का समय बर्बाद होने से नाराज हैं। बजट सत्र के दौरान हुए हंगामे, विपक्षी सदस्यों के निलंबन और लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ प्रस्ताव को लेकर भी उन्होंने कांग्रेस की रणनीति पर सवाल उठाए।

सुप्रीम कोर्ट ने हिमंता बिस्वा सरमा पर याचिका सुनने से किया इनकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट किसी मामले को सेटल करने का "प्लेग्राउंड" नहीं है और याचिकाकर्ता पहले हाईकोर्ट जाएं। कोर्ट ने गुवाहाटी हाईकोर्ट से मामले की योग्यता के आधार पर शीघ्र सुनवाई करने का अनुरोध भी किया।

याचिकाओं में आरोप था कि सरमा ने मुस्लिम समुदाय को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में कथित रूप से टोपी पहने लोगों पर निशाना साधते दिखे। इसे लेकर एफआईआर और एसआईटी जांच की मांग की गई थी।

मणिशंकर अय्यर के बयान से कांग्रेस में मचा बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के एक बयान ने पार्टी के भीतर सियासी हलचल तेज कर दी है। केरल में आयोजित 'विजन 2031 इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन डेमोक्रेसी एंड डेवलपमेंट' कार्यक्रम में अय्यर ने मुख्यमंत्री की जमकर तारीफ की और भविष्यवाणी की कि वे आगामी विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटेंगे।

अय्यर ने केरल की सत्ताधारी (एलडीएफ) सरकार के पंचायती राज मॉडल को देश में सर्वश्रेष्ठ बताया। उन्होंने कहा कि भारत में महात्मा गांधी के सिद्धांतों के अनुरूप वास्तविक प्रगति यदि कहीं हुई है तो वह केरल में हुई है। उनके इस बयान से कांग्रेस असहज हो गई है।

क्योंकि राज्य में (यूडीएफ) मुख्य विपक्ष की भूमिका में है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने सोशल मीडिया पर स्पष्ट किया कि अय्यर का बयान उनका निजी मत है और उनका कांग्रेस से कोई आधिकारिक संबंध नहीं है। केरल चुनाव से पहले इस बयान ने राजनीतिक माहौल गरमा दिया है।

असम में कांग्रेस को झटका भूपेन बोरा ने दिया इस्तीफा

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता सहित सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सुबह 8 बजे अपना त्यागपत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेजा और कहा कि यह कदम उन्होंने लंबे विचार–विमर्श के बाद उठाया है। मीडिया से बातचीत में बोरा ने बताया कि उन्होंने 1994 में कांग्रेस जॉइन की थी और 32 वर्षों तक पार्टी की सेवा की। उनके अनुसार, यह निर्णय व्यक्तिगत नहीं बल्कि पार्टी के भविष्य को लेकर चिंता से प्रेरित है। सूत्रों का कहना है कि उन्होंने राज्य इकाई में उपेक्षा और उचित स्थान न मिलने का आरोप लगाया है। बोरा 2021 से 2025 तक असम कांग्रेस अध्यक्ष रहे और दो बार विधायक भी चुने गए। इस्तीफे पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कांग्रेस के लिए प्रतीकात्मक झटका है। उन्होंने बोरा के घर जाकर मुलाकात करने की बात भी कही। वहीं बोरा ने संकेत दिया कि दो–तीन दलों ने उनसे संपर्क किया है, हालांकि उन्होंने अभी किसी पार्टी में शामिल होने की घोषणा नहीं की है। गौरतलब है कि हाल ही में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रिपुन बोरा ने भी कांग्रेस से इस्तीफा दिया था, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल और तेज हो गई है।

चाइना में लूनर न्यू ईयर से पहले पटाखा दुकान में विस्फोट, आठ की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। चाइना में लूनर न्यू ईयर (स्प्रिंग फेस्टिवल) से ठीक पहले पूर्वी जिआंगसु प्रांत के डोंगहाई काउंटी स्थित एक गांव में पटाखों की दुकान में भीषण धमाका हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मामूली रूप से झुलस गए। स्थानीय प्रशासन के अनुसार, दुकान के पास एक व्यक्ति द्वारा गलत तरीके से पटाखे जलाने से आग भड़की और विस्फोट हुआ। लूनर न्यू ईयर चीन का सबसे बड़ा और महत्वपूर्ण त्योहार है, जिसे बड़े उत्साह से मनाया जाता है। इस दौरान पटाखे जलाने की परंपरा रही है, हालांकि वायु प्रदूषण के कारण कई क्षेत्रों में प्रतिबंध भी लगाए गए हैं। घटना के बाद चीन के इमरजेंसी मैनेजमेंट मंत्रालय ने पटाखों के उत्पादन, परिवहन, बिक्री और उपयोग पर कड़ी निगरानी के निर्देश दिए हैं तथा दुकानों के आसपास पटाखे जलाने पर सख्त रोक लगाने को कहा है।

बांग्लादेश आम चुनाव: 4 अल्पसंख्यक उम्मीदवार विजयी, 2 हिंदू सांसद बने

यूनिक समय, नई दिल्ली। बांग्लादेश में हुए हालिया आम चुनावों में अल्पसंख्यक समुदाय के चार उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है, जिनमें दो हिंदू नेता शामिल हैं। ये सभी विजेता (बीएनपी) के टिकट पर चुनाव लड़े थे। हिंदू उम्मीदवारों में गायेश्वर चंद्र रॉय और निताई रॉय चौधरी शामिल हैं। दोनों ने ढाका और मगुरा क्षेत्र से जीत हासिल की और जमात–ए–इस्लामी के प्रत्याशियों को पराजित किया। गायेश्वर चंद्र रॉय बीएनपी की स्टैंडिंग कमेटी के सदस्य हैं, जबकि निताई रॉय चौधरी पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रमुख रणनीतिकारों में गिने जाते हैं। अन्य दो विजेताओं में सचिन प्रू और दीपेन दीवान शामिल हैं, जो बौद्ध समुदाय से आते हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, कुल 79 अल्पसंख्यक उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें 10 महिलाएं भी शामिल थीं। बीएनपी को 49.97% वोट और 209 सीटें मिलीं, जिससे उसे दो–तिहाई बहुमत मिला। जमात–ए–इस्लामी ने 31.76% वोट और 68 सीटें हासिल कर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। देश में हिंदू आबादी लगभग 8% है।

एक माह में नहीं मिल रही सूचना

मथुरा से राज्य सूचना आयोग में लगातार बढ़ रही अपीलें

यूनिक समय, मथुरा। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत निर्धारित 30 दिन की समय सीमा में जानकारी न मिलने से जनपद के आरटीआई कार्यकर्ताओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। कई विभागों में सूचना आवेदन लंबित पड़े हैं और प्रथम अपील पर भी नियमानुसार सुनवाई न होने के आरोप सामने आ रहे हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में आवेदक अब उत्तर प्रदेश राज्य सूचना आयोग में प्रथम एवं द्वितीय अपील दायर कर रहे हैं। आरटीआई कार्यकर्ताओं का कहना है कि ग्राम्य विकास, पंचायती राज, शिक्षा, स्वास्थ्य, नगर निगम, विकास प्राधिकरण और राजस्व विभाग सहित कई कार्यालयों में समय सीमा का पालन नहीं हो रहा। कुछ मामलों में अधूरी सूचना दी जाती है, तो कई बार तकनीकी आधार बताकर आवेदन निरस्त कर दिए जाते हैं। कई आवेदकों का आरोप है कि लोक सूचना अधिकारी समय पर जवाब देने के बजाय चुप्पी साध लेते हैं, जिससे उन्हें अपील का सहारा लेना पड़ता है। मथुरा के आरटीआई कार्यकर्ता गिरधारी लाल शर्मा, शाकिर हुसैन, बहादुर सिंह, सुनील कुमार, उमेश कुमार, कन्हैया लाल वर्मा और हरीशंकर खंडेलवाल ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में अपीलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उनका कहना है कि आयोग तक मामला पहुंचने में कई महीने लग जाते हैं, जिससे सूचना प्राप्त करने की प्रक्रिया लंबी और जटिल हो जाती है। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही की भावना प्रभावित हो रही है। सूचना का अधिकार कानून में स्पष्ट प्रावधान है कि बिना उचित कारण सूचना न देने या देरी करने पर संबंधित अधिकारी पर प्रतिदिन के हिसाब से आर्थिक दंड लगाया जा सकता है। इसके बावजूद दंडात्मक कार्रवाई के मामलों की संख्या सीमित बताई जा रही है, जिससे अधिकारियों में जवाबदेही की कमी महसूस की जा रही है।

....तो अधिनियम का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा

यूनिक समय, मथुरा। विशेषज्ञों का मानना है कि आरटीआई कानून पारदर्शी और जवाबदेह शासन की आधारशिला है। यदि समयबद्ध सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई तो अधिनियम का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाएगा। कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से मांग की है कि सभी विभागों को सख्त निर्देश जारी कर 30 दिन के भीतर सूचना उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि नागरिकों का विश्वास व्यवस्था पर कायम रह सके।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा का विराट ब्राह्मण सम्मेलन 15 मार्च को

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी।

प्रदेश के 34 ब्राह्मण संगठन एक मंच पर होंगे

यूनिक समय, वृंदावन। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में 15 मार्च को मथुरा स्थित श्री जी बाबा आश्रम में विराट ब्राह्मण सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश के 34 ब्राह्मण संगठन एक मंच पर एकत्र होंगे। घोषणा वृंदावन के धानुका गेस्ट हाउस में आयोजित बैठक में की गई, जिसकी अध्यक्षता महामंडलेश्वर डॉ. आदित्यानंद महाराज ने की। बैठक को संबोधित करते हुए ब्रज प्रदेश अध्यक्ष पं. बिहारी लाल वशिष्ठ एवं जिला अध्यक्ष राजकुमार शर्मा ने कहा कि सम्मेलन में वर्तमान परिवेश में ब्राह्मण समाज की भूमिका पर मंथन किया जाएगा। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, सांसद सतीश गौतम तथा नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित विभिन्न संगठनों के राष्ट्रीय नेता भाग लेंगे। संचालन राजेश पाठक ने किया। संचालन राजेश पाठक ने किया। बैठक में महानगर अध्यक्ष सुभाष गौड़ लाला पहलवान, प्रमुख रूप से सत्यभान शर्मा विजय रीडवा, श्रीहरि सुरेषाचार्य, जयप्रकाश उपाध्याय, रामबाबू शर्मा, गिरिराज शर्मा, ईश्वर चंद्र रावत, राजेश चतुर्वेदी, रामेश्वर दयाल शर्मा, डॉक्टर जमुना देवी शर्मा, जयराम शर्मा, नेमचंद शर्मा बालो, पंडित पार्षद सुमित गौतम, आशीष चतुर्वेदी, राजीव शर्मा, राज नारायण गौड़, जगदीश गोस्वामी, कृष्ण कन्हैया पद रेनू, रामदास बाबा, राकेश पाठक, वीरेंद्र उपाध्याय, बलराम शर्मा आदि उपस्थित थे।

ब्रज मण्डल क्षत्रिय राजपूत महासभा का 81वां स्थापना दिवस संपन्न

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज मण्डल क्षत्रिय राजपूत महासभा का 81वां स्थापना दिवस मयूर विहार स्थित महाराणा प्रताप पार्क में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संगठन की कमान एक बार फिर सर्वसम्मति से कुंवर नरेंद्र सिंह को सौंपी गई। उन्हें आगामी तीन वर्षों के लिए पुनः अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। स्थापना दिवस पर समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध जागरूकता का संकल्प लिया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि बाल विवाह, नशाखोरी और दहेज प्रथा जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ महासभा का अभियान निरंतर जारी रहेगा। कार्यक्रम में विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों ने भी सहभागिता कर सामाजिक एकता पर बल दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन–यज्ञ के साथ हुआ। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ठाकुर भजन सिंह सिसोदिया के निर्देशन में विधि–विधान से आहुति दी गई। पूर्व विधायक ठाकुर कुशल पाल सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने हवन में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन ठाकुर अटल सिंह ने किया। उन्होंने जानकारी दी कि महासभा के तत्वावधान में 1 मार्च 2026 को भव्य होली मिलन समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें समाज के लोग भाईचारे और सौहार्द के साथ शामिल होंगे।

छप्पन भोग एवं फूल बंगला के दर्शन कर श्रद्धालु हुए मंत्रमुग्ध

यूनिक समय, फरह। महाशिवरात्रि पर थाने वाले शिव मन्दिर में शिवभक्तों ने कांवड़ और नवविवाहित महिलाओं ने जेअर चढ़ाई। मन्दिर के 32 वीं वार्षिकोत्सव पर भोले बाबा सेवा समिति के सदस्यों ने पंचतत्व एवं कई प्रकार के इत्रों से अभिषेक करके शिवलिंग का रत्नजड़ित आभूषणों से श्रृंगार किया। मन्दिर को चंपा, चमेली, गेंदा, गुलाब, एवं फूल मालाओं से सजाया गया। उसके बाद छप्पन प्रकार के व्यंजन भोले बाबा का अर्पित किये गये। भजन संध्या अर्न्तगत महारास ने दर्शकों का मनमोह लिया। उधर महाशिवरात्रि के पर्व पर कस्बा में शिव बारात भी निकाली गयी। 10 फुट ऊंचे नंदी पर सवार होकर भोले बाबा अपने सेवकों गणों के साथ नाचते झूमते चल रहे थे। शिव बारात गंगा धर्मशाला से प्रारम्भ होकर मुख्य बाजार से गुजरती हुई, हाईवे सर्विस रोड से पथवारी चौक तक पहुंची। शिव बारात पर कस्बावासियों ने जमकर पुष्पवर्षा की। नंदी पर सवार भोले बाबा की जगह जगह आरती उतारी गईं।

मथुरा जंक्शन पर प्लेटफॉर्म संख्या तीन के अनुरक्षण कार्य के कारण 17 से 28 तक ट्रैफिक ब्लॉक

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन स्टेशन पर प्लेटफॉर्म संख्या 03 के स्लीपरों के प्रतिस्थापन/अनुरक्षण का कार्य किया जाना है। इस कार्य के लिए 17 से 28 फरवरी तक ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा। कार्य अवधि के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 03 से संचालित ट्रेनों को अस्थायी रूप से प्लेटफॉर्म संख्या 02, 04, 05 से संचालित किया जाएगा। इस दौरान किसी भी यात्री ट्रेन का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन अथवा शॉर्ट टर्मिनेशन/ऑरिजिनेशन नहीं किया जाएगा। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई हैं। कार्य के दौरान स्टेशन पर उद्घोषणाओं एवं सूचना बोर्डों के माध्यम से यात्रियों को निरंतर जानकारी प्रदान की जाएगी।

रेलवे की बुजुर्गों के लिए महत्वपूर्ण घोषणा

वरिष्ठ नागरिकों को फिर दी किराये में छूट

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय रेलवे प्रशासन ने वर्ष 2026 से वरिष्ठ नागरिकों के लिए किराये में रियायत बहाल करने की घोषणा की है। कोविड–19 महामारी के दौरान वर्ष 2020 में वित्तीय कारणों से यह सुविधा स्थगित कर दी गई थी। अब हालात सामान्य होने पर इसे चरणबद्ध तरीके से फिर शुरू किया जा रहा है।

नई व्यवस्था के तहत 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के पुरुष तथा 58 वर्ष या उससे अधिक आयु की महिलाएं और ट्रांसजेंडर यात्री छूट के पात्र होंगे। किराये में लगभग 40 प्रतिशत तक की रियायत श्रेणी और दूरी के अनुसार मिलेगी। यह सुविधा मेल, एक्सप्रेस और अन्य प्रमुख ट्रेनों में लागू रहेगी। यात्रा के समय आयु प्रमाण पत्र साथ रखना अनिवार्य होगा। रेलवे ने निचली बर्थ प्राथमिकता, व्हीलचेयर और स्टेशन सहायता जैसी सुविधाएं भी जारी रखने का निर्णय लिया है, जिससे बुजुर्ग यात्रियों की यात्रा अधिक सुरक्षित और आरामदायक हो सके।

दम तोड़ रही है यमुना नदी, जो हम सब की चिन्ता का विषय: राजेंद्र सिंह

यूनिक समय, मथुरा। जल सहेलियों ने यमुना के किनारे विश्राम घाट पर 'यमुना चौपाल' का आयोजन किया। इसका उद्देश्य यमुना को पुनः अविरल और निर्मल बनाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत जल सहेलियों ने यमुना पूजन के साथ की। इसमें मां यमुना के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए नदी संरक्षण का संकल्प लिया। जलपुरुष राजेंद्र सिंह ने यमुना की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता जाहिर की। कहा कि यमुना गंभीर रूप से बीमार होकर 'आईसीयू' की स्थिति में पहुंच गई है और ऐसे में भी उसकी वास्तविक जरूरत के बजाए उल्टा इलाज किया जा रहा है। यह गंभीर चिंता का विषय है। कहा कि किसी भी नदी का अस्तित्व उसकी अविरल धारा से होता है। बिना प्राकृतिक प्रवाह के कोई भी नदी जीवित नहीं रह सकती। यमुना केवल आस्था का प्रतीक ही नहीं, बल्कि समाज को आरोग्य प्रदान करने वाली जीवनदायिनी धारा है। यदि यमुना बीमार होगी तो समाज भी पूर्ण

मथुरा स्थित विश्राम घाट पर आयोजित 'यमुना चौपाल' को संबोधित करते जलपुरुष राजेंद्र सिंह। उपस्थित जल सहेलियां आदि कार्यकर्तागण।

रूप से स्वस्थ नहीं रह सकता। जल सहेलियों की पदयात्रा की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने आत्मबल और संकल्प के साथ यमुना को बचाने के लिए आगे आई हैं। यह यात्रा जनजागरण का एक मजबूत माध्यम बन रही है, सरकार से अपील करते हुए कहा कि जल सहेलियां जब दिल्ली की ओर बढ़ रही हैं, उससे पहले ही सरकार को इनसे संवाद करना चाहिए और उनकी बातों को गंभीरता से सुनना चाहिए। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रदीप माथुर, माथुर चतुर्वेद परिषद के पंकज चतुर्वेदी आदि ने भी मां यमुना के प्रदूषण के प्रति पीड़ा व्यक्त की। जल सहेली समिति की अध्यक्ष पुष्पा कुशवाह ने यमुना चौपाल में पधारे सभी अतिथियों,

यमुना गंभीर रूप से बीमार होकर 'आईसीयू' की स्थिति में पहुंची

सहयोगियों और नागरिकों का आभार जताया। कार्यक्रम में रंजीत पाठक, संजय अल्पाइन, अरविंद चतुर्वेदी, सचिन चतुर्वेदी, अश्वनी मिश्रा, धीरज सिंघल, सुधीर पचौरी आदि उपस्थित थे। जलपुरुष के नाम से विख्यात जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉ. राजेंद्र सिंह ने कहा कि यमुना के किनारे नए–नए घाट व ज्यादा से ज्यादा मोटर बोट व स्टीमर चलाए जाने के बजाए सरकारों को उसको अविरल व निर्मल बनाए जाने पर जोर देना चाहिए। वैसे भी यमुना के प्रवाह का विज्ञान जाने बिना बनाए जा रहे नए घाटों पर बरसात में सिल्ट जमा हो जाती है। जबकि इस विज्ञान की समझ से बनाए गए पुराने घाटों पर ऐसा नहीं होता था।

चतुर्वेद समाज का होली डोला तीन मार्च को निकलेगा

यूनिक समय, मथुरा। श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के बैनर तले तीन मार्च को दोपहर 2 बजे होली डोला निकाला जाएगा। परिषद के महामंत्री राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि डोला द्वारकाधीश मंदिर के नीचे से प्रारंभ होगा। शोभायात्रा द्वारकाधीश मंदिर से विश्राम घाट, छत्ता बाजार, होली गेट, कोतवाली रोड, भरतपुर गेट, चौक बाजार होते हुए पुनः विश्राम घाट पर संपन्न होगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माथुर चतुर्वेद परिषद के मुख्य संरक्षक एवं अखिल भारतीय तीर्थ महासभा के मुख्य संरक्षक महेश पाठक होंगे। परिषद ने समाज के सभी बंधुओं से आह्वान किया है कि जो भी झांकी, ट्रैक्टर या टोली के माध्यम से डोले में शामिल होना चाहते हैं, वे 25 फरवरी तक परिषद कार्यालय में आवेदन जमा करें। प्राप्त आवेदनों पर विचार के बाद क्रम संख्या जारी की जाएगी, उसके आधार पर डोला आगे बढ़ेगा।

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित। कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289–290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा। संपादक–पवन गौतम। मो. 9837155888 E-mail : newsuniquesamay@gmail.com website : uniquesamay.com सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा। RNI-UPHIN/2023/85053